डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

02 अप्रैल 2025
बुधवार

सीवान में कंबाइन हार्वेस्टर से कटीं दो महिलाएं, मौके पर दर्दनाक मौत

2

बनासकांठा की फैक्ट्री में विस्फोट के कारण आग लगने और इमारत के कुछ हिस्से ढहने से मलबे में दब गए लोग

गुजरात की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 20 लोगों की मौत

- मरनेवाले से सभी मजदूर मध्य प्रदेश के रहनेवाले थे
- फैक्ट्री में ड्यूटी करने जाने के दौरान हुआ धमाका

एजेंसी/गांधीनगर

गुजरात के बनासकांठा में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। बनासकांठा पुलिस एवं प्रशासन के मुताबिक जिस वक्त यहां धमाका हुआ, उस समय सुबह के पौने दस बज रहे थे और उसी समय गोदाम में मजदूर अपनी ड्यूटी शुरू करने जा रहे थे। अचानक तेज धमाका हुआ और देखते ही देखते इमारत इमारत की छत का एक हिस्सा उड़ गया। बताया जा रहा है कि इस धमाके से वहां काम कर रहे 25 से अधिक लोग जमीन पर गिर गए और इतने में छत का मलबा उनके ऊपर गिर गया। इस मलबे में दबने से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। सभी मृतक मध्य प्रदेश के हैं। सीएम मोहन यादव ने प्रदेश के मजदूरों के निधन पर दुख जताया है, साथ ही सीएम ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, शुरूआती जांच में बॉयलर में तकनीकी खराबी को विस्फोट का कारण माना जा रहा है। फैक्ट्री में पटाखे होने के कारण स्थिति बेहद जल्दी बेकाबू हो गई। ऐसा माना जा रहा है कि बॉयलर के फटने से चिंगारी निकली और उसने पास रखे पटाखों को आग लगा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि मजदूरों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि कर्मचारियों के परिवार के सदस्य भी परिसर में रहते थे और वे भी मलबे में दब गए। डीसा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नेहा पांचाल ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्टरी में विस्फोट के कारण आग लगने और इमारत के कुछ हिस्से ढह जाने से कई लोग मलबे में दब गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना में 20 लोग मारे गए हैं। बनासकांठा एसपी अक्षयराज मकवाना ने कहा, हमने एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने बताया कि घटनास्थल से मलबा हटाने और उसमें दबे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है। अधिकारियों के अनुसार डीसा नगरपालिका के दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बचाव कार्य में सहायता के लिए राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम भी घटनास्थल पर मौजूद थी।

मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये मुआवजे का ऐलान

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पटेल ने सोशल मीडिया मंच 'पर एक पोस्ट में कहा, 'डीसा में एक पटाखा गोदाम में आग लगने और स्लैब गिरने से श्रमिकों की मौत की घटना दिल दहला देने वाली है। दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों के साथ में मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस घटना में मध्य प्रदेश के कर्मचारियों की असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार गुजरात के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने कहा कि घटना से प्रभावित कर्मचारियों को पूरी सहायता दी जाएगी। यादव ने कहा कि कर्मचारियों और उनके परिवारों की सहायता के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

राजस्थान में एक टैंकर से गैस रिसाव होने से तीन लोगों की मौत

एजेंसी/जयपुर

राजस्थान के ब्यावर में तेजाब फैक्ट्री में खड़े एक टैंकर से जहरीली गैस का रिसाव होने पर इसकी चपेट में आकर फैक्ट्री के मालिक समेत तीन लोगों की मौत हो गई। गैस के प्रभाव से तबीयत खराब होने पर 50 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला कलेक्टर महेन्द्र खड़गावत ने बताया कि सोमवार देर रात रिहायशी इलाके में स्थित फैक्ट्री में गैस रिसाव हुआ जिसके कारण 53 लोग बीमार हो गए। कारखाने के मालिक और दो अन्य की मौत हो गई है। यह फैक्ट्री अवैध रूप से चल रही थी। कलेक्टर के अनुसार हालात पर जल्द ही काबू पा लिया गया। वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि गैस रिसाव की घटना देर रात बाड़िया इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में हुई, जिसके कारण आसपास के कई लोग इससे प्रभावित हो गए और उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। जानकारी के अनुसार गैस रिसाव के कारण कारखाने के मालिक सुनील सिंघल (47) की सोमवार रात जबकि दयाराम (52) और नरेंद्र सोलंकी की मंगलवार को मौत हो गई।

फैक्ट्री के आसपास का इलाका खाली कराया गया

पुलिस ने जानकारी दी है कि दो लोगों की हालत गंभीर है और उनका अजमेर के जेएलएन अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। फैक्ट्री के आसपास के इलाके को खाली करा दिया गया है। यह फैक्ट्री रिहायशी इलाके में चल रही थी। जिला कलेक्टर ने बिना अनुमति के चल रहे कारखानों का सर्वेक्षण करने के लिए नगर परिषद, राजस्व विभाग और पुलिस के अधिकारियों की समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं।

तत्काल पहुंचा प्रशासन : घटना के संबंध में तेजाब फैक्ट्री और गोदाम के मालिक मृतक सुनील सिंघल के भतीजे निशांत सिंघल ने बताया कि बलाड़ रोड पर स्थित केमिकल फैक्ट्री में टैंकर से केमिकल निकालते वक्त नाइट्रोजन गैस का रिसाव हो गया। इस कारण गोदाम में गैस चारों ओर फैल गई थी। जहां रिसाव हो रहा था वहां आग भी लगी हुई थी। सुनील सिंघल ने अपनी परवाह नहीं करते हुए रिसाव पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन सांस लेने में तकलीफ होने और चक्कर आने पर उन्हें बाहर आना पड़ा। प्रशासन और आपात सेवाएं तत्काल मौके पर पहुंच गई और कुछ घंटे में स्थिति पर नियंत्रण पा लिया गया। गैस के लगातार रिसाव से लोगों की आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने लगी। गैस के कारण सुनील सिंघल के 80 फीसदी फेफड़े खराब हो चुके थे और उनकी मौत हो गई। वहीं इनमें से 5 की हालत गंभीर होने पर उन्हें अजमेर जेएलएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।

प. बंगाल में पटाखा बनाने के दौरान विस्फोट से 4 बच्चों समेत 7 की मौत

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के पाथरप्रतिमा में पटाखा बनाते समय हुए विस्फोट में 4 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हो गई। यह घटना ढोलाहाट थाना क्षेत्र के रायपुर इलाके में हुई। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार, नवरात्र पूजा के लिए एक घर में पटाखे बनाए जा रहे थे। सोमवार रात करीब 9:30 बजे अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद पूरे घर में आग लग गई। कुछ लोगों का कहना है कि खाना बनाने वाले गैस सिलेंडर के फटने से यह हादसा हुआ। वहीं पाथर प्रतिमा के विधायक समीर कुमार जना ने कहा कि पटाखे बनाते समय अचानक विस्फोट हो गया। पूरे घर में आग लग गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंद्रकांत नाम के एक व्यक्ति के घर से अचानक तेज धमाके की आवाज आई। कुछ ही देर में घर से आग की लपटें उठने लगीं। पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल की गाड़ी आग बुझाने और बचाव कार्य में जुट गई। मृतकों के परिवार में मातम छाया हुआ है। इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

पादरी बजिंदर सिंह को उम्र कैद की सजा

चंडीगढ़। पंजाब के चर्चित पादरी बजिंदर सिंह को मोहाली कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उन्हें यौन उत्पीड़न में दोषी पाए जाने के बाद कोर्ट ने उम्र कैद की सजा सुना दी है। बजिंदर सिंह पर साल 2018 में एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था जिस पर लंबी सुनवाई और ट्रायल के कोर्ट ने उन्हें 28 मार्च को दोषी करार दिया था।

हरियाणा के यमुनानगर के रहने वाले बजिंदर सिंह जालंधर में चर्च ऑफ ग्लोरी एंड विजडम का संस्थापक है। वे खुद को यीशु मसीह का दूत बताते हैं और चमत्कारिक ईलाज का दावा करते हैं। बता दें कि पिछले दिनों उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वे मारपीट करते नजर आ रहे थे।

देश में लगातार बढ़ रहे कैंसर के मामले, पिछले साल इस बीमारी से 15 लाख से अधिक मौतें

एजेंसी/मुंबई

देश में कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। साल 2022 के दौरान कैंसर के अनुमानित मामलों की संख्या 1461427 थी। 2023 में यह संख्या 1496972 और 2024 में बढ़कर 1533055 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, कैंसर के इलाज की दिशा में कई तरह की पहल कर रहा है। मंत्रालय की नजर, रूस द्वारा ईजाद की गई कैंसर की दवा पर है। मंगलवार को संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया गया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा सूचित किया गया है कि रूस ने हाल ही में कैंसर के उपचार के लिए एक व्यक्तिगत एमआरएनए वैक्सीन विकसित करने की घोषणा की है। हालांकि, एमआरएनए वैक्सीन के क्लिनिकल परीक्षण चल रहे हैं और वैक्सीन को लांच किया जाना बाकी है।

कैंसर के बढ़ते मामलों में ये हैं टॉप पांच प्रदेश

- उप्र में 2022 में कैंसर के मामलों की संख्या 210958 थी, अगले वर्ष यह आंकड़ा 215931 पर पहुंच गया था। गत वर्ष यह संख्या 221000 हो गई।
- महाराष्ट्र में 2022 में कैंसर के मामलों की संख्या 121717 थी। अगले वर्ष यह आंकड़ा 124584 पर जबकि गत वर्ष इसकी संख्या 127512 हो गई।
- पश्चिम बंगाल में 2022 में कैंसर के मामलों की संख्या 113581 थी। अगले वर्ष यह आंकड़ा 116230 पर पहुंच गया, गत वर्ष संख्या 118910 हो गई।
- बिहार में 2022 में कैंसर के मामलों की संख्या 109274 थी। अगले वर्ष यह आंकड़ा 112180 पर पहुंच गया, गत वर्ष इसकी संख्या 115123 हो गई।
- तमिलनाडु में 2022 में कैंसर के मामलों की संख्या 93536 थी। अगले वर्ष यह आंकड़ा 95944 पर पहुंच गया, गत वर्ष इसकी संख्या 98386 हो गई।

नदी में नहाने के दौरान चार दोस्त डूबे, दो को बचाया गया, 1 की मौत

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र के गंगिया गांव में नदी में नहाने के दौरान चार दोस्त एक साथ डूब गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से 3 को बाहर निकाला गया। इसमें एक युवक की मौत हो गई और 2 सुरक्षित बचे जबकि एक को अब तक नदी से नहीं निकाला जा सका है। लापता बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि अशोक मिश्र के घर पर पोते का उपनयन संस्कार कार्यक्रम था। इसमें सभी रिश्तेदार पहुंचे थे। वहीं दोपहर अंकित और आकाश अपने चार दोस्तों के साथ नहाने के लिए बागमती नदी में चला गया। इस दौरान सभी युवकों के गहरे पानी में जाते ही अफरातफरी का माहौल हो गया। चारों युवकों को डूबता देख स्थानीय लोग वहां नदी में कूद पड़े। तीन युवकों को किसी तरह नदी से बाहर निकाल लिया गया जिसमें एक ने दम तोड़ दिया। वहीं दो सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

घटना को लेकर कटरा थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार का कहना है नहाने के दौरान डूबकर एक युवक की मौत हो गई है। बरामद शव की पहचान मधौल गांव के संजय सिंह पुत्र अंकित कुमार के रुप में हुई है।

अप्रैल के दूसरे या तीसरे हफ्ते तक भाजपा को मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी/नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र 4 अप्रैल को खत्म होगा। इसके बाद भाजपा नया पार्टी अध्यक्ष चुनने के लिए चुनाव प्रक्रिया तेज करेगी। सूत्रों के मुताबिक, अगले 4 से 5 दिनों में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल समेत ज्यादातर बचे राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्षों के नामों का ऐलान हो जाएगा।

18 से ज्यादा राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्षों के नाम ऐलान होने के बाद पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। सूत्रों का कहना है कि अगले हफ्ते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। अप्रैल के दूसरे या तीसरे हफ्ते तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल सकता है।

भाजपा अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है, लेकिन जेपी नड्डा 2019 से ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्हें दो बार विस्तार मिल चुका है। आखिरी विस्तार 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारियों में 'निरंतरता' सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। नए अध्यक्ष के लिए औपचारिक रूप से निर्वाचक मंडल मतदान करता है। भाजपा के संविधान के अनुसार कम से कम आधे राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव पूरा हो गया हो, इसके बाद ही निर्वाचक मंडल का गठन हो सकता है।

बिहार पुलिस ने 3000 नक्सली और 4000 कुख्यातों की लिस्ट तैयार की

केटी न्यूज/पटना

बिहार पुलिस अपराध और नक्सलवाद पर लगाम लगाने के लिए विशेष तैयारी कर रही है। एडीजे मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने बताया कि सोना लूटने वाले कुख्यातों के नेक्सस को तोड़ने के लिए बिहार एसटीएफ की टीम ने ठोस रणनीति बनाई है। 3000 नक्सलियों के अलावा 4000 जिले के कुख्यात अपराधियों का डोजियर एसटीएफ ने तैयार कराई है। उन्होंने कहा कि बिहार में हाई सिक्योरिटी जेल की जरूरत है। इसके लिए केंद्र सरकार को 2 लोकेशन भी भेजा गया है। एडीजे मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने बताया कि पुलिस टेक्निकल एक्सपर्ट के साथ ह्यूमन इंटेलिजेंस के तौर पर शागिर्द अपराधियों के पीछे लगी है। भोजपुर, समस्तीपुर और वैशाली के अपराधी किस्म के युवा एसटीएफ की रडार पर हैं। एडीजे मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने इस इलाके के युवाओं के परिजन से अपने बच्चों पर विशेष नजर रखने की अपील की है। एडीजे ने कहा कि सबसे अधिक इस जिले के युवा अपराध के क्षेत्र में आ रहे हैं, जो चिंता का विषय है।

2026 में एक तिथि एक त्योहार वाला पंचांग आएगा सामने, नवसंवत्सर पर होगा लोकार्पित

उत्तर प्रदेश में अब एक तिथि एक त्योहार का नियम लागू होगा

एजेंसी/वाराणसी

उत्तर प्रदेश में अब एक तिथि एक त्योहार का नियम लागू होगा। बनारस से प्रकाशित पंचांग के आधार पर ही प्रदेश के व्रत-पर्व और अवकाश का निर्धारण होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर काशी विद्वत परिषद ने इसका खाका तैयार कर लिया है। प्रदेश के सभी पंचांगकारों की सहमति के बाद इस दिशा में कार्य भी शुरू हो चुका है।

काशी के पंचांगों में एकरूपता के बाद अब प्रदेश के पंचांग की तिथियों को एक करने की तैयारी शुरू हो गई है। 2026 में पूरे प्रदेश के लिए एक तिथि एक त्योहार वाला पंचांग सामने आएगा। नवसंवत्सर पर इसे आम जनता के

लिए लोकार्पित किया जाएगा। इससे प्रदेश के व्रत, पर्व, तिथि और त्योहारों के बीच होने वाला भेद भी दूर होगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर काशी विद्वत परिषद ने इसका खाका तैयार कर लिया है और इसे सात अप्रैल को मुख्यमंत्री को भी भेजा जाएगा।

अन्नपूर्णा मठ मंदिर उठाएगा प्रकाशन की जिम्मेदारी

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश का पंचांग तैयार करने के लिए काशी के विद्वानों के साथ ही प्रदेश के प्रमुख पंचांगकारों की टीम बनाई गई है। अगले वर्ष की कालगणना, तिथि, पर्व का सटीक निर्धारण करके एक तिथि एक त्योहार और एक पंचांग के सूत्र पर इसे तैयार किया जाएगा। 2026 में आने वाले नवसंवत्सर में इसका प्रकाशन किया जाएगा। इसके प्रकाशन की जिम्मेदारी अन्नपूर्णा मठ मंदिर उठाएगा। यह पहला मौका होगा जब पूरे प्रदेश में त्योहारों पर होने वाला मतभेद दूर हो जाएगा। इसका प्रकाशन संवत 2083 यानी 2026-27 के लिए किया जाएगा।

काशी हिंदू विवि, काशी विद्वत परिषद और काशी के पंचांगकारों के सहयोग से काशी के पंचांगों के अंतर को दूर किया जा चुका है। इसमें बीएचयू से बनने वाला विश्वपंचांग, ऋषिकेश, महावीर, गणेश आपा, आदित्य और ठाकुर प्रसाद के पंचांग शामिल हैं। तीन साल की मेहनत के बाद काशी के पंचांगों में एकरूपता आई है।

त्योहारों में नहीं रहेगा अंतर : चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, नवरात्र, रामनवमी, गंगा दशहरा, रक्षाबंधन, श्रावणी, जन्माष्टमी, पितृपक्ष, विजयादशमी, दीपावली, अन्नकूट, नरक चतुर्दशी, भैया दूज, धनतेरस, कार्तिक एकादशी, खिचड़ी और होली में होने वाला अंतर समाप्त हो जाएगा।

मृत दोनों महिलाओं की पहचान गभिरार गांव निवासी के रूप में हुई

हादसा : सीवान में कंबाइन हार्वेस्टर से कटीं दो महिलाएं, मौके पर दर्दनाक मौत

केटी न्यूज/सीवान

सीवान जिले के रघुनाथपुर प्रखंड के गभिरार गांव में गेहूं काटने के दौरान एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। खेत में काम कर रही दो महिलाएं कंबाइन हार्वेस्टर मशीन की चपेट में आ गईं, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृत महिलाओं की पहचान गभिरार गांव निवासी मनोज साह की पत्नी कौशल्या देवी और श्यामा महतो की पत्नी चंपा देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं गेहूं की फसल काटने के लिए खेत में गई थीं। उसी समय खेत में लगी कंबाइन हार्वेस्टर मशीन भी गेहूं की कटाई कर रही थी, तभी अचानक दोनों महिलाएं मशीन की चपेट में आ गईं। मशीन के भारी दबाव और तेज रफ्तार के कारण वे संभल नहीं सकीं और इसकी चपेट में आ गई। देखते ही देखते मौके पर दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। आसपास के लोगों ने हार्वेस्टर को रूकवाया।

हादसे के बाद मचा कोहराम : घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई। जब परिजनों ने महिलाओं के शव देखे तो चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जुट गए और घटना को लेकर भारी आक्रोश जताने लगे। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

औरंगाबाद में करंट की चपेट में आने से पति-पत्नी की मौत

औरंगाबाद। बिजली के करंट की चपेट में आकर पत्नी तड़प रही थी। यह देख पति उसे बचाने दौड़ा, लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। अंतत: दंपत्ति की एक साथ दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना औरंगाबाद के अम्बा थाना क्षेत्र में नरहर अम्बा गांव की है। मृतकों की पहचान स्थानीय निवासी गुप्तेश्वर पांडेय के बेटे अर्जुन पाठक (32) और उसकी पत्नी सुनीता देवी (29) के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, सुनीता मंगलवार को अपने घर में कपड़ा धोने के बाद सुखाने की तैयारी में लगी थी। उसके घर के आंगन में कपड़ा सुखाने के लिए बिजली का तार एक खंभे से बांधा हुआ था। उसी खंभे से होकर घर में बिजली का कनेक्शन भी था। घर के बिजली कनेक्शन वाला तार शायद बीच में कहीं से कट गया था और वह कपड़ा सुखाने वाले तार में सट रहा था, जिसका उसे पता नहीं था। इसी दौरान कपड़ा सुखाने के लिए सुनीता ने जैसे ही कपड़ा तार पर डाला, वैसे ही वह करंट की चपेट में आ गई।बचाने के दौरान पति भी करंट की चपेट में आया। बिजली के करंट की चपेट में आकर झुलसते देख उसका पति अर्जुन उसे बचाने दौड़ा। बचाने के दौरान वह भी करंट की चपेट में आ गया और दोनों ही बुरी तरह झुलस गए। झुलसे हुए हालत में तार से सटे पति-पत्नी घर में ही काफी देर तक पड़े रहे।इस बीच घर के बाहर खेल रहा उनका पांच वर्षीय पुत्र कार्तिक जब घर के अंदर गया तो उसने दोनों को इस हाल में देखा। फिर घर से बाहर आकर उसने लोगों को घटना की जानकारी दी। इसके तुरंत बाद लोग घर के अंदर गए तो दोनों को बेसुध हालत में तार से सटा हुआ पाया। इसके बाद बिजली का कनेक्शन काट कर लोगों ने दोनों को बिजली के करंट से छुड़ाया। आनन-फानन में परिजन उन्हें लेकर इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने नब्ज टटोलते ही दोनों को मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। नरहर अंबा गांव में मातम पसरा गया। हादसे के बाद दंपती के दो पुत्र कार्तिक और नैतिक अनाथ हो गए। मामले की जानकारी औरंगाबाद सदर अस्पताल प्रबंधन औरंगाबाद नगर थाना की पुलिस को दी गई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, अर्जुन निर्धन परिवार से था। दोनों ने इसी साल कर्ज लेकर घेउरा गांव में स्ट्रॉबेरी की खेती की थी। खेती से ठीक-ठाक कमाई भी हुई थी। कर्ज चुकाने के बाद परिवार में खुशहाली आई थी, लेकिन इस हादसे ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। परिवार में मातम पसरा है।

10 पुलिस पदाधिकारियों पर कार्रवाई का निर्देश

केटी न्यूज/बेगूसराय

बेगूसराय के अलग-अलग थाना में पदस्थापित 10 पुलिस पदाधिकारियों को काम में लापरवाही पर डीआईजी आशीष भारती ने कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। यह आदेश अनुसंधान कताओं के साथ एससी-एसटी एक्ट के कांडों की समीक्षा में दी गई।डीआईजी आशीष भारती ने समीक्षा के दौरान अनुसंधान में लापरवाही बरतने के आरोप में रउ-रळ थाना के निवर्तमान थानाध्यक्ष और वर्तमान में बेगूसराय नगर थाना में पदस्थापित पुलिस अवर निरीक्षक राम प्रताप पासवान एवं एससी-एसटी थाना के सहायक अवर निरीक्षक पूनम देवी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही जीरोमाइल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक ब्रिज किशोर तिवारी, मटिहानी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा, बखरी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक हरेन्द्र राम एवं पुलिस अवर निरीक्षक राजेन्द्र राम, एससी-एसटी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक कुमारी शिवसती को एक निंदन देने का निर्देश दिया हैइसके साथ ही एससी-एसटी थाना के पुलिस अवर निरीक्षक मोती चंद्र राम तथा परिहारा थाना के सहायक अवर निरीक्षक धनंजय कुमार को एक-एक निंदन देने का निर्देश दिया गया है।

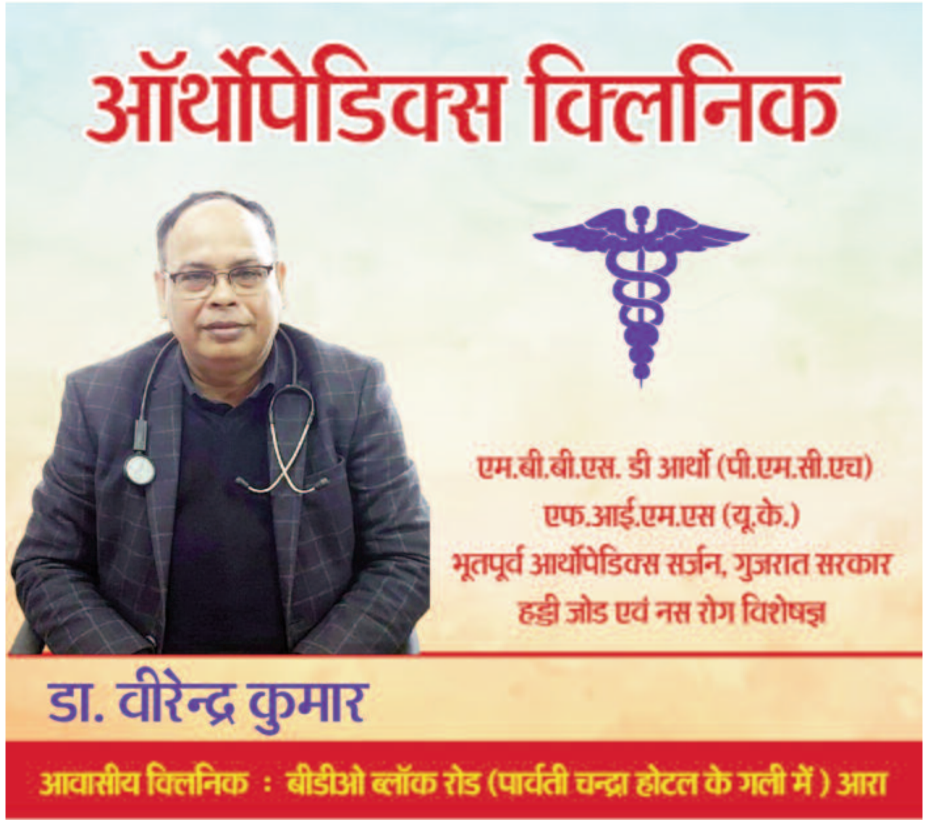

आईपीएस काम्या मिश्रा का इस्तीफा मंजूर अपने व्यक्तिगत कारणों से छोड़ दी नौकरी

केटी न्यूज/पटना

कुछ दिन पहले ही शिवदीप लांडे ने भी छोड़ी थी नौकरी बिहार की तेज तर्रार आईपीएस काम्या मिश्रा ने पद से इस्तीफा दिया था। जिसे राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया है। इसे लेकर नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है। बता दें कि शिवदीप लांडे के बाद काम्या मिश्रा ने इस्तीफा दिया था। काम्या ने निजी कारणों से इस्तीफा दिया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिवदीप लांडे के बाद अब काम्या मिश्रा के इस्तीफे पर अपनी रजामंदी दे दी है। काम्या मिश्रा एक तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी हैं, जो बिहार कैडर से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई में भी उत्कृष्टता हासिल की है और यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। काम्या मिश्रा का सपना था कि वह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक प्रभावशाली अधिकारी बनें। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएशन किया। आईपीएस बनने के बाद उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा दी है और कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। काम्या मिश्रा को उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और समाज सेवा के प्रति जुनून के लिए जाना जाता है। उनकी कार्यशैली और नेतृत्व कौशल ने उन्हें एक आदर्श अधिकारी बना दिया है, जो युवाओं को प्रेरित करती हैं। काम्या मिश्रा के पति अवधेश सरोज भी आईपीएस अधिकारी हैं। वो बिहार कैडर के 2019 बैच के पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से बी-टेक की डिग्री हासिल की थी। आईपीएस बनने के बाद काम्या मिश्रा और अवधेश सरोज ने 2021 में शादी की थी। बता दें कि काम्या मिश्रा ओडिशा की रहने वाली है। 12वीं बोर्ड में 98 प्रतिशत अंक लाया था। अपने पहले प्रयास में ही काम्या ने सिविल सेवा परीक्षा पास की। 2019 में यूपीएससी परीक्षा पास कर 172वीं रैंक हासिल किया था। 22 साल की उम्र में काम्या आईपीएस बनी थी।

बिहार विधानसभा में सचेतक बने अरुण शंकर प्रसाद

मधुबनी। जिले के बासोपट्टी में भाजपा कार्यकताओं ने विधायक अरुण शंकर प्रसाद का स्वागत किया। दीनदयाल उपाध्याय भवन में आयोजित समारोह में उन्हें बिहार विधानसभा का सचेतक बनाए जाने पर सम्मानित किया। विधायक प्रसाद को इस पद के साथ राज्यमंत्री का दर्जा भी मिला है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पार्टी नेतृत्व और कार्यकताओं को दिया। साथ ही आश्वासन दिया कि विधानसभा में जनता की आवाज मजबूती से उठाएंगे। इस अवसर पर संजय ठाकुर, जीवछ मंडल, हरिश्चंद्र शर्मा, आशीष कुमार सहित अन्य शामिल रहे।

स्कूल वैन व बस में आमने-सामने टक्कर, आठ छात्र जख्मी

मुजफ्फरपुर। स्कूल वैन और बस की आमने-सामने भीषण टक्कर, आठ बच्चे घायल हो गए है। घटना जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में हुई है। इस दुर्घटना में स्कूल वैन में सवार आठ बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि वैन का चालक भी चोटिल हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूल वैन के परखच्चे उड़ गए। वहीं, बस चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया।जानकारी के मुताबिक, हादसा साहेबगंज-केसरिया रोड के धर्मपुर चौक के पास हुआ। जब स्कूल वैन बच्चों को उनके गांव जगीराहां छोड़ने जा रही थी।

शिक्षक पठन-पाठन के साथ करेंगे पर्यावरण पर कार्य, 40 हजार पौधे लगाने का मिला लक्ष्य

केटी न्यूज/पटना

बिहार के सरकारी स्कूलों में अब पढ़ाई के साथ-साथ एक और नया काम होगा। शिक्षा मंत्री ने स्कूलों के लिए एक नया आदेश जारी किया है। इसके अनुसार, राज्य के 40 हजार से ज्यादा स्कूलों में पेड़ लगाए जाएंगे। यह अभियान स्कूलों को सुंदर बनाने और छात्रों को पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के लिए है। स्कूलों में फल, फूल और सब्जियों के पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही बरगद, पीपल, कटहल, आम और अमरूद जैसे पेड़ भी लगाए जाएंगे।

सरकारी स्कूलों में नया अभियान : दरअसल, बिहार शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में जल्द ही एक नया अभियान शुरू करेगा। इस अभियान में स्कूलों में पेड़ लगाए जाएंगे। शिक्षा मंत्री के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य स्कूलों को सुंदर बनाना है। साथ ही छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना भी है। इस अभियान के तहत राज्य के 40 हजार से अधिक स्कूलों में पौधारोपण किया जाएगा। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार के आदेश के अनुसार, स्कूलों में कई तरह के पौधे लगाए जाएंगे। इनमें फलदार, फूलदार और सब्जियों के पौधे शामिल हैं। इसके अलावा, बरगद, पीपल, कटहल, आम, अमरूद और पाकड़ जैसे पेड़ भी लगाए जाएंगे। ये पेड़ स्कूल परिसर में छाया देंगे। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस अभियान का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को वॉच एंड लर्निंग (देखकर सीखने) की पद्धति से पढ़ाया जाएगा। इस पद्धति में छात्रों को विषय की जानकारी देने के साथ-साथ पौधों के जीवन चक्र के बारे में भी बताया जाएगा। उन्हें जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को प्रैक्टिकल के माध्यम से समझाया जाएगा। इससे छात्रों को कृषि, पर्यावरण और जीव विज्ञान की बेहतर जानकारी मिलेगी। इस अभियान में स्कूल के शिक्षक और छात्र दोनों मिलकर काम करेंगे। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने इस बारे में एक बैठक की। उन्होंने सभी जिलों के शिक्षा अधिकारियों को पौधारोपण की तैयारी करने का निर्देश दिया है।

चार दिवसीय महापर्व छठ का मंगलवा को पहला दिन, शुक्रवार को होगा समापन

नहाय खाय के साथ चैती छठ की शुरुआत

केटी न्यूज/किशनगंज

चैत्र नवरात्र पर देवी दुर्गा की पूजा और रामनवमी को लेकर चल रही तैयारियों के बीच चैती छठ से शुरू हो गया है। चार दिवसीय महापर्व छठ का आज पहला दिन है। आज नहाय खाय है। पिछले साल कार्तिक छठ, यानी डाला छठ के समय ही लोक गायिका शारदा सिन्हा का निधन हुआ था। चैती छठ पर भी शारदा सिन्हा के गीत गूंज रहे हैं। पटना के घाट पर..., करिहा क्षमा छठी मईया... जैसे गीतों की गूंज पटना समेत बिहार के हर हिस्से में सुनाई दे रही है। कार्तिक महीने का छठ जिस तरह लगभग हर बिहारी घरों में होता है, उस तरह चैती छठ नहीं होता है; इसके बावजूद ज्यादातर लोग लोक आस्था के इस महापर्व पर चैत्र महीने में भी पूजन स्थलों पर जाते हैं। चैती छठ को मान्यता और मनोकामना का पर्व समझा जाता है। आम धारणा है कि जिनकी मनोकामना पूरी हो जाती है, वही चैती छठ करते हैं।

सभी मान्यताएं कार्तिक छठ जैसी, ऋतुफल का महत्व : लोक आस्था के महापर्व छठ की जो भी बातें कार्तिक मास के मुख्य छठ पर्व पर होती हैं, वही चैती छठ में भी लागू हैं। मंगलवार को नहाय खाय है। लोग सुबह से ही गंगा नदी के तट पर पहुंच रहे हैं। जहां गंगा नहीं, वहां गंगाजल से नहाकर व्रती आज बाकी काम करेंगे। चैती छठ को लेकर मान्यता है कि सुख-समृद्धि को लेकर मनोकामना पूरी होने पर मन्नत के अनुसार एक, तीन या पांच साल तक यह व्रत करते हैं या फिर मनोकामना पूरी होने तक। चैती छठ कार्तिक छठ की तरह अमूमन पोखर पर नहीं किया जाता है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के इक्का-दुक्का घाटों पर यह छठ होता है। ज्यादातर लोग घरों में ही करते हैं। कार्तिक महीने में मिलने वाले कई फल चैती माह में नहीं मिलते हैं, इसलिए ऋतुफल का इंतजाम किया जाता है।

शुक्रवार को अंतिम अर्घ्य देंगे : कार्तिक छठ की तरह ही चैती छठ का व्रत भी आम तौर पर महिलाएं ही करती हैं। इस बार लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व चैती छठ एक अप्रैल से शुरू हुआ है। सोमवार को नहाय-खाय से इसकी शुरूआत हो रही है। व्रती स्नान-ध्यान कर नया वस्त्र धारण कर पर्व के लिए गेहूं धोकर सुखाएंगी। गर्मी खूब है, इसलिए आज इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। गेहूं सुखाने में भी काफी निष्ठा रखनी पड़ती है। इसके बाद व्रती भोजन में अरवा चावल का भात और कद्दू की सब्जी बनाती हैं और खुद के साथ पूरे परिवार को नहाकर ही खाने के लिए कहा जाता है। दो अप्रैल मंगलवार को खरना होगा। इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखेंगी।

डुमरांव में ई-रिक्शा चालक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, जांच में जुटी पुलिस

♦ नर्सिंग कॉलेज के सामने पुलिया के नीचे पड़ा था मिला शव, स्वजनों में छाया मातम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। उसका शव हरियाणा फार्म के पीछे बने नर्सिंग कॉलेज के ठीक सामने स्थित पुलिया के नीचे डुमरांव राजवाहा मार्ग में पड़ा था। मृतक ई-रिक्शा चलाता था। सोमवार की शाम से ही वह अपने घर से गायब था, मंगलवार को दोपहर बाद उसका शव मिला। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई है। मृतक की पहचान स्थानीय नगर के निमेज टोला मोहल्ला निवासी स्व. श्री प्रसाद वर्मा के 25 वर्षीय पुत्र कन्हैया वर्मा के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वह सोमवार की शाम अपने एक दोस्त के साथ टहलते हुए बंझू डेरा की तरफ गया था, लेकिन लौट कर घर नहीं आया। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो स्वजन संभावित जगहों पर उसकी तलाश करने लगे, लेकिन कही भी उसका पता नहीं चला।

तलाश में निकले छोटे भाई की पड़ी नजर

मंगलवार को भी उसका छोटा भाई मोहन वर्मा उसकी तलाश में निकला था। इस दौरान वह जैसे ही नर्सि कॉलेज के पास पहुंचा कि पुल पर उसके भाई के एक पैर का चप्पल दिखाई पड़ा, इसके बाद वह नजदीक जाकर देखा तो उसका भाई मृत अवस्था में पुल से नीचे पड़ा था। मोहन ने ही फोन कर स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत, अपर थानाध्यक्ष संजीत कुमार शर्मा, पीएसआई विपीन कुमार सदल बल मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच में जुट गए। हालांकि, उसके भाई ने अभी तक कोई बयान नहीं दिया है, वहीं पुलिस भी प्रथम द्दष्टया इसे दुर्घटना मान रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

पिछले साल हुई थी पिता की मौत : मृतक तीन भाईयों में दूसरे नंबर पर था। बड़ा भाई संतोष वर्मा परदेश में नौकरी करता है जबकि वह तथा उसका छोटा भाई डुमरांव में ही रहता था। पिछले साल अगस्त महीने में ही उसके पिता की मौत हुई थी। पिता की मौत के सदमे से परिवार अभी उबरा भी नहीं था कि कन्हैया की मौत ने उनके जख्मों को और गहरा कर दिया है। बहरहाल जांच के बाद ही इस बात का पता चल सकेगा कि उसकी मौत कैसे हुई है।

एक नजर

@चौसा: आदिवासी संस्कृति के संरक्षण को लेकर धूमधाम से मनाई गई सरहुल पूजा

बक्सर। जिले के चौसा प्रखंड अंतर्गत स्थानीय गांव में खरवार जनजाति के लोगों ने आदिवासी बहरवार पूजा समिति के अध्यक्ष वीर बिहारी खरवार के नेतृत्व में सरहुल पूजा हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया। आदिवासी परंपराओं के अनुसार, ललन खरवार ने विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस संबंध में राजेंद्र प्रसाद खरवार ने कहा कि सरहुल पूजा आदिवासी समाज का महापर्व है, जिसे मिलजुल कर मनाना चाहिए। उन्होंने सभी से अपनी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए कार्य करने की अपील की। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष राजू खरवार ने कहा कि सरहुल पूजा प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन से जुड़ी हुई है। इसी क्रम में पूजा के उपरांत सखुआ का पौधा रोपा गया और सभी से हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की गई। साथ ही समारोह में सभी ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सरल खरवार, त्रिलोकीनाथ खरवार, बड़क खरवार, रामा खरवार, नरसिंह खरवार, गोपीस खरवार, रामचंद्र खरवार, कृष्णा खरवार, भरत खरवार, कपीत खरवार, भुवाली खरवार, विकास खरवार, वाल्मीकि खरवार, प्रकाश खरवार, आकाश खरवार सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

@डुमरांव: अनुमंडल में पशु बीमारी की रोक-थाम के लिये चार अप्रैल से लगेगा शिविर

डुमरांव। बीमार पशुओं के इलाज के लिये अब पशुपालकों को भटकना नहीं पड़ेगा, उनका इलाज पशुपालकों के दरवाजे पर किया जाएगा। पशुपालन विभाग ने ऐसी व्यवस्था शुरू कर दी है। इसके लिये शहरी व ग्रामीण इलाकों में जाकर वार्डवार शिविर लगाया जाएगा और पशुओं की जांच कर दवा दी जाएगी। डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा, विभाग ने इसकी सूची जारी कर दिया है। साथ ही, बिमार पशु ओं की शिकायत के लिये विभाग ने एक टॉल फ्री नंबर 1962 जारी किया है। इस नंबर पर डायल करने पर तत्काल उसकी जांच के लिये पशु चिकित्सक के साथ कर्मी आपके दरवाजे तक जाएंगे। दरवाजे पर जाने वाली बीमारी नहीं होगी तो उसे ठीक करने के लिये सुझाव देने के साथ साथ और दवा भी दी जाएगी। बताया जाता है कि अगामी चार अप्रैल से डुमरांव नगर में वार्डवार शिविर का आयोजन किया जाएगा। पशुपालकों को इसकी जानकारी दी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार चार अप्रैल को गोपाल डेरा व नावाडेरा, पांच अप्रैल को नया भोजपुर के पूर्वी और पश्चिमी भाग, सात अप्रैल को पुराना भोजपुर के पश्चिमी और पूर्वी भाग, आठ अप्रैल को डुमरांव एसडीएम कोठी मोहल्ले एवं खिरौली मोहल्ले में, 9 अप्रैल को टैक्सटाइल्स कॉलोनी व लालगंज कड़वी मोहल्ला, 10 अप्रैल को डीके कॉलेज व पियरा पोखरा मोहल्ला, 11 अप्रैल को नयाथाना व चारमोटिया इनार, 12 को नथुनी के बाग और शहीद मर्द रोड, 14 अप्रैल को गोशाला रोड व चतुरशाल गंज, 15 को दक्षिण टोला व छठिया पोखरा, 16 अप्रैल को अबकारी गली व तिवारी टोला व निमेट टोला तथा 17 अप्रैल को अंतिम दिन चाणाक्या कॉलोनी व सुमित्रा कॉलेज रोड मोहल्ला में मवेशियों की जांच के लिये शिविर का आयोजन किया जाएगा।

खबरें फटाफट

जिले में शुरू हुई गेहूं की अधिप्राप्ति

बक्सर। विभाग के निर्देशानुसार मंगलवार से जिले में गेहूं अधिप्राप्ति वर्ष शुरू हो गई। इस अवसर पर जिला सहकारिता पदाधिकारी बक्सर, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी डुमरांव एवं नावानगर, व्यापार मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

इस दौरान डुमरांव व्यापार मंडल द्वारा विरेन्द्र राय से 21 क्विंटल गेहूं एवं नावानगर व्यापार मंडल ने धर्मेन्द्र कुमार से 25 क्विंटल गेहूं की अधिप्राप्ति की गई। इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल है। उन्होंने बताया कि किसान अपने संबंधित पैक्स एवं व्यापार मंडल के माध्यम से एक अप्रैल से 15 जून तक अपना गेहूं बिक्री कर सकते है।

नहीं हो सकी मृत महिला की शिनाख्त

डुमरांव। नया भोजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरांव पुराना भोजपुर पथ पर डीएसपी आवास के पीछे सोमवार की सुबह मृत अवस्था में पाई गई बुजुर्ग महिला की शिनाख्त दूसरे दिन भी पुलिस नहीं कर पाई है। बता दें कि सोमवार की सुबह डीएसपी आवास के पीछे एक महिला का शव मिला था। जो लाल रंग की साड़ी पहने थी तथा पतला कंबल ओढ़े थी। उसके सर पर भी चोट के निशान थे।

डीएम-एसपी ने डुमरांव में छठिया पोखरा का लिया जायजा, दिये आवश्यक निर्देश

नहाय-खाय के साथ चैती छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू, होगी पुख्ता सुरक्षा

♦ बुधवार को खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू करेंगी व्रती, बाजार में बढ़ी कलसूप, फल आदि की डिमांड

केटी न्यूज/डुमरांव

चैती छठ महापर्व की शुरूआत मंगलवार को नहाय खाय के साथ हुई। बुधवार को व्रती खरना का प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना का प्रसाद ग्रहण करने करने के साथ ही व्रतियों को 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा, जो शुक्रवार को दूसरे अर्घ्य के बाद संपन्न होगा।

चैत्र शुक्ल षष्ठी तिथि तीन अप्रैल दिन गुरुवार को रोहिणी नक्षत्र व आयुष्मान योग में डूबते सूर्य को व्रती अर्घ्य देंगे। चार अप्रैल को रवि योग के संयोग में व्रती उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पारण के बाद महाव्रत को पूर्ण करेंगे। छठ महापर्व के प्रथम दिन नहाय-खाय में लौकी की सब्जी, अरवा चावल, चने की दाल, आंवला की चासनी के सेवन का खास महत्व है। छठ व्रतियों ने पूजन के बाद प्रसाद के रूप में अरवा चावल, सेंधा नमक से निर्मित चने की दाल, लौकी की सब्जी, आंवला की चटनी आदि ग्रहण कर चार दिवसीय अनुष्ठान का संकल्प लिया।

वैदिक मान्यता के अनुसार, छठ के प्रसाद ग्रहण करने से शरीर निरोग होता है। खरना के प्रसाद में ईख के कच्चे रस, गुड़ के सेवन से आंखों की पीड़ा समाप्त होने के साथ तेजस्विता, निरोगिता व बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होती है। स्वस्थ्य जीवन के लिए छठ जरूरी है। प्रकृति में फास्फोरस सबसे ज्यादा गुड़ में पाया जाता है।

मौसमी फल प्रसाद के रूप में प्रयोग किया जाता है। परिवार की सुख समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किए जाने वाले इस व्रत की खासियत है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित पंडित की आवश्यकता नहीं होती और नहीं मंत्रोच्चारण की कोई जरूरत है। छठ पर्व में साफ-सफाई का विशेष महत्व रखा जाता है।

छठ को लेकर बाजारों में बढ़ी भीड़ : लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरूआत नहाय-खाय के साथ हो गई है। इस पर्व को लेकर बाजारों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। व्रती महिलाएं छठ पूजा की तैयारियों में जुट गई हैं। व्रती महिलाएं इस पर्व के लिए पूरी श्रद्धा से तैयारियां कर रही हैं, जहां पूजा सामग्री की खरीदारी खास ध्यान आकर्षित कर रही है। शहर के मुख्य बाजार गोला रोड में सूप, दउरा, नए वस्त्र के अलावे नारियल व मौसमी फलों की दुकानें सज गई है। जहां व्रती के परिजन खरीदारी करने में लगे है।

इस दौरान एसडीओ राकेश कुमार, ईओ मनीष कुमार, नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत, अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने छठ घाट का लिया जायजा

डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी शुभम आर्य ने डुमरांव के छठिया पोखरा घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम एसपी ने अबतक की तैयारियों को परखा तथा मातहतों को कई आवश्यक निर्देश दिए। चैती छठ पूजा के लिए तैयारियों का निरीक्षण क्रम में वरीय अधिकारियों द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि छठ घाट एवं उसके रास्तों की पर्याप्त साफ-सफाई, मजबूत बैरिकेडिंग, अधिक गहराई में नहीं जाने के लिए चेतावनी के लिए लाल झंडा लगाना व पूजा समिति से समन्वय कर घाटों उसके रास्तों पर पर्याप्त रौशनी एवं माईकिंग की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावे डीएम ने नप से गोताखोर व नाव की तैनाती करने, एंबुलेंस, महाजाल आदि कई चीजो को तैयार रखने का निर्देश दिया। वहीं एसपी ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि शहर में समुचित यातायात व्यवस्था, छठ घाट सहित चौक-चौराहों पर महिला व पुरुष पुलिस जवान तैनात करने को कहा। एसपी ने थानाध्यक्षों से कहा कि चैती छठ के दौरान उपद्रवी तत्वों पर नजर रखनी होगी। उन्होंने सोसल मीडिया व साइबर सेनानी ग्रुप के माध्यम से उपद्रवी तत्वों पर नजर बनाए रखने तथा सीसीटीवी कैमरे से निगाहबानी करते रहने की नसीहत दी।

चौसा प्रखंड के गोसाईपुर के समीर चौबे पीएनबी में बने विधि अधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

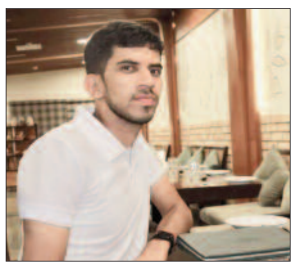

जिले के गोसाईंपुर निवासी स्व. विंध्याचल चौबे के बेटे समीर कुमार चौबे का चयन पंजाब नेशनल बैंक में विधि अधिकारी के पद पर हुआ है। यह खबर मिलते ही परिवार और गाँव में हर्ष का माहौल बन गया। सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

समीर का चयन इसी वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय में पीएचडी के लिए हुआ था और वर्तमान में वे वहीं अध्ययनरत हैं। उन्होंने यूजीसी द्वारा आयोजित जेआरएफ परीक्षा में सामान्य कोटे से सफलता प्राप्त की और परिवार का नाम रोशन किया था। इस उपलब्धि के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण रहा है। बताया जा रहा है कि समीर के पिता किसान थे। तीन भाइयों में सबसे छोटे समीर की प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। उनके बड़े भाई, शिक्षक प्रमोद कुमार चौबे ने बताया कि समीर ने आठवीं तक की पढ़ाई गांव में की, इसके बाद वे बक्सर चले गए, जहां उन्होंने बक्सर हाई स्कूल से मैट्रिक व इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए वे बीएचयू गए, जहां से उन्होंने बीए, एलएलबी व एलएलएम की डिग्रियां प्राप्त की।

समीर का मानना है कि यदि कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे, तो उसे सफलता अवश्य मिलेगी। एक से 12वीं तक की शिक्षा हिंदी माध्यम में होने के कारण उच्च शिक्षा के दौरान कुछ कठिनाइयां आईं, लेकिन द्दढ़ संकल्प और मेहनत से उन्होंने इन बाधाओं को पार किया।

रामनवमी से पूर्व असामाजिक तत्वों से भराएं बॉन्ड पेपर: मुख्य सचिव

केटी न्यूज/बक्सर

रामनवमी त्योहार के मद्देनजर शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंगलवार को राज्य मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों का जायजा लिया। इसमें डीएम अंशुल अग्रवाल एवं एसपी शुभम आर्य ने भाग लिया।

इस दौरान मुख्य सचिव ने पर्व के मद्देनजर असामाजिक तत्वों के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता के सुसंगत धाराओं के तहत बंध पत्र की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही, पूर्व में घटित घटनाओं के मद्देनजर सभी संवेदनशील स्थलों पर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने मद्देनजर शांति समिति की बैठक करने का निर्देश देते हुए कहा कि शांति समिति की बैठक में सरकार के गाइडलाइन से सदस्यों तथा महाबीरी झंडा पूजा समिति या अन्य तरह के जुलूस निकालने वालो को अवगत कराया जाए।

गौरतलब हो कि इस वर्ष छह अप्रैल को रामनवमी का त्योहार मनाया जाएगा। यह त्योहार प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के उलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दौरान कई जगहों पर विशाल जुलूस निकाला जाता है। रामनवमी जुलूस के दौरान कई बार विधि व्यवस्था की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। जिसे देखते हुए इस बार राज्य सरकार काफी सतर्कता बरत रही है। यहीं, कारण है कि मुख्य सचिव ने वीसी आयोजित कर सभी जिले के डीएम एसपी को आवश्यक निर्देश दिए है।

बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ ने सेकेंड टॉपर पुनीत को किया सम्मानित, बोले राज्य प्रतिनिधि...

जिले के छात्रों ने बजाया अपनी मेधा का डंका

♦ विद्यालय में जाकर छात्र को अंग वस्त्र, माला आदि से किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के राज्य प्रतिनिधि ने बिहार बोर्ड की परीक्षा में पूरे राज्य में दूसरे रैंक पर आने वाले जिले के छात्र पुनीत कुमार सिंह को मंगलवार को सम्मानित किया है। यह सम्मान उसके विद्यालय में जाकर किया गया है।

संघ के राज्य प्रतिनिधि के साथ-साथ जिला सचिव शंकर प्रसाद के नेतृत्व में यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में हुआ, जिसमें बृजेश कुमार राय ने पुनीत को मेधावी विद्यार्थी बताने के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उपस्थित विद्यालय परिवार और शिक्षक नेता ने कहा कि इस बार मैट्रिक की परीक्षा में बक्सर के छात्रों ने अपनी प्रतिभा का डंका पूरे राज्य में बजाया है तथा टॉप टेन में पांच रैंक पर जिले के कुल छह छात्र चुने गए है, जो उनकी मेधा को दशार्ता है। राज्य प्रतिनिधि ने बक्सर जिले से टॉप टेन में आने वाले छात्रों तथा उनके शिक्षकों को शुभकामना संदेश भी प्रेषित किया है।

इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि पुनीत की सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा है। अगली बार बक्सर जिले के छात्र पूरे राज्य में टॉप आने का प्रयास करेंगे। वहीं, पुनीत शिक्षक का बेटा है इस पर सभी ने गर्व जताया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। व्याख्यात मनीष कुमार शशि ने कहा कि पुनीत एक खास प्रतिभा है तथा हमे गर्व है कि यह हमारे प्रखंड का छात्र है तथा उससे भी बढ़कर है कि पुनीत के पिता शिक्षक है। उन्होंने कहा कि जिले के छात्रों में मेधा की कमी नहीं है। इस बार की मैट्रिक परीक्षा का परिणाम इस बात की तस्दीक करती है कि जिले के छात्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है।

इस मौके पर चन्द्र किशोर कुमार प्राच्य प्रभा के प्रभारी एवं विजय कुमार राज्य संघ के प्राच्य प्रभा के संपादक, ब्रजेश कुमार, शंकर प्रसाद, मनीष कुमार शशि, अवधेश राय, श्वेता ओझा, रमा पाण्डेय, संतोष कुमार, मो. शमीम, सत्यार्थी कुमार, परवेज आलम समेत दर्जनों शिक्षक मौजूद थे।

एनपीएस लागू होने पर स्वास्थ्य कर्मियों में नाराजगी, काला बिल्ला लगा किया विरोध

- एनपीएस को बताया सेवा व निष्ठा के साथ मजाक, ओपीएस को लागू करने की उठाई आवाज

केटी न्यूज/डुमरांव

सरकार द्वारा न्यू पेंशन स्कीम को बदल आज से ही लागू की गई है, लेकिन इसके लागू होते ही कर्मचारियों में बगावत के स्वर फूटने लगे है तथा कर्मियों ने यूपीएस के बदले पुराने पेंशन स्कीम को लागू करने की मांग सरकार से की है।

डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में एनएमओपीएस की बिहार इकाई बिहार इकाई के आह्वान पर स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांध एनपीएस तथा एकीकृत पेंशन योजना का विरोध किया तथा कहा कि सरकार यदि जल्दी इसे वापस ले पुराने पेंशन स्कीम को लागू नहीं करती है तो जल्दी ही सभी कर्मचारी संगठन मिलकर चरणबद्ध आंदोलन करेंगे।

भारत सरकार द्वारा एकीकृत पेंशन योजना आज से ही लागू की गई है। ऐसे में कर्मियों ने इस दिवस को काला दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया तथा इसी कड़ी में काला बिल्ला लगा ड्यूटि बजाई।

इस दौरान केंद्र एवं बिहार सरकार के सभी सरकारी सेवकों द्वारा कार्य स्थल पर काला बिल्ला लगाकर अपने सरकारी कार्यों का शांतिपूर्वक निर्वहन किया। अनुमंडलीय अस्पताल के फार्मासिस्ट संतोष कुमार ने बताया कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को लागू करने की मांग आज देश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक प्रमुख मुद्दा बन चुकी है। पुरानी पेंशन योजना, जो 2004 से पहले लागू थी, सरकार द्वारा कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती थी।

संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि ओपीएस के तहत एक निश्चित राशि, जीवनभर पेंशन के रूप में मिलती थी, जिससे कर्मचारी अपनी बुढ़ापे की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर पाते थे। 2004 के बाद, सरकार ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) लागू की, जिसमें पेंशन की गारंटी नहीं है। एनपीएस बाजार आधारित प्रणाली है, जहां रिटर्न पूरी तरह से शेयर बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। यह प्रणाली कर्मचारियों में असुरक्षा और वित्तीय तनाव पैदा करती है, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति के बाद की आय अनिश्चित हो जाती है। पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह कर्मचारियों को न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है।

जबकि डॉ. सुमित सौरभ, डॉ. शिव कुमार, अजय सिंह, मृत्युंजय कुमार, संतोष कुमार, विकास कुमार, मनीष कुमार, सोनू कुमार, जमालुद्दीन अंसारी सहित अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

दु:खद- भाजपा नेता धर्मेंद्र सिंह के असामयिक निधन से चौगाई समेत पूरे जिले में शोक की लहर

चौगाई। भाजपा के वरिष्ठ नेता व चौगाई मंडल क पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह का असामयिक निधन हो गया है। उनका निधन पैतृक गांव चौगाई में मंगलवार की सुबह हुआ। इसकी जानकारी मिलते ही सामाजिक व राजनैतिक गलियारे में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की जानकारी मिलते ही चौगाई स्थित उनके घर पहुंच भाजपा नेताओं ने अश्रुपुरित नेत्रों से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान भाजपा नेताओं ने उन्हें एक मिलनसार और कर्मठ कार्यकर्ता बताया और कहा कि स्व. सिंह ने लंबे समय तक भाजपा की सेवा की है। निधन की खबर से पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। मौके पर शोक जताने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन, शीला त्रिवेदी, देवीदयाल सिंह, चौगाई जिला पार्षद अरविंद प्रताप शाही, जिला प्रवक्ता शक्ति राय, नंदलाल पंडित, राकेश कुमार गौतम, संतोष कुमार दुबे, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, दीपक यादव, रमेश पाण्डेय, रितेश पांडेय, दयाशंकर तिवारी, अशोक तिवारी, बलराम पांडेय, सुनील सिद्धार्थ, डॉ संजय यादव, मनोज सिंह, किसान मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह, विपिन सिंह, सतीश राय और भोला तिवारी सहित कई लोग शामिल रहे।

फैसला: निगरानी जांच एवं वित्तीय गबन करने वाले शिक्षकों का नहीं होगा स्थानान्तरण

बक्सर। राज्य में विशेष समस्याओं से ग्रसित शिक्षक व शिक्षिकाओं से स्थानांतरण हेतु ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर लिए गए आवेदन के आलोक स्थानानांतरण की प्रक्रिया चल रही है। ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया एक से 15 दिसंबर 2024 तक ऑनलाईन पूरी कर ली गई है। निर्धारित अवधि में लगभग 1 लाख 90 हजार शिक्षकों का आवेदन विशेष परिस्थिति में स्थानांतरण हेतु प्राप्त हुये हैं। इसमें अंतरजिला स्थानान्तरण को लेकर भी आवेदन दिया गया है। इसका विभागीय स्तर पर चरणबद्ध ढंग से स्थानांतरण व दस्थापन किया जाना है। वैसे शिक्षकों के मंसूबे पर पानी फिर सकता है जिनके उपर कार्यवाही एवं निगरानी जांच, वित्तीय गबन के मामले में शामिल शिक्षकों के स्थानान्तरण पर विचार नहीं किया जायेगा। इस कोटि के शिक्षकों का स्थानान्तरण हो गया है, तो संबंधित जिला शिक्षा पदाधिकारी ऐसे शिक्षकों को विरमित नहीं करेंगे। इसको लेकर निदेशक प्राथमिक शिक्षा साहिला ने पत्र जारी कर निर्देश दिया है। वहीं जारी पत्र के अनुसार आवेदनों की परिवीक्षा हेतु मुख्यालय स्तर के पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। प्रथम चरण में विभिन्न कोटि के असाध्य रोग से ग्रसित शिक्षकों के स्थानांतरण आवेदन पर विचार किया गया है। वहीं शिक्षकों से ऑनलाइन ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर घोषणा पत्र भी लिया गया है।

संदिग्ध: धनसोई में महिला की मौत, मातम

बक्सर। जिले के धनसोई थाना क्षेत्र के सिकठी पंचायत अंतर्गत कैथहर खुर्द के पोखरवा टोला में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतका पंचायत मुखिया अनिल चौधरी की बहू थी, जिसकी पहचान 40 वर्षीय रीता देवी पति पप्पू चौधरी के रूप में हुई है। घटना के पीछे घरेलू विवाद की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार की रात रीता देवी का अपने पति पप्पू चौधरी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। अगली सुबह जब परिजन रीता के कमरे में पहुंचे तो वह मृत अवस्था में पड़ी मिली। घटना की सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गई और आसपास के लोग घर के बाहर जुटने लगे। मृतका के मायके वाले भी पहुंचे हालांकि, अभी तक मायके वालों द्वारा कुछ कह नही पाए है। घटना की जानकारी मिलते ही धनसोई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खबरें फटाफट

आधार कार्ड बनवाने के लिए झेलनी पड़ रही है फजीहत

डुमरांव। स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों के अपार कार्ड बनाने के लिए आधार कार्ड जरूरी बन गया है। जिस कारण बच्चों के अभिभावक इन दिनों अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए खासे परेशान है। अनुमंडल मुख्यालय में सिर्फ प्रखंड व अनुमंडल कार्यालय परिसर में ही आधार कार्ड बनाया जा रहा है, जबकि आधार कार्ड बनवाने वालों की संख्या काफी अधिक है। जिस कारण लोगों को अपने बच्चों के साथ भीषण गर्मी के इस मौसम में घंटों परेशान होना पड़ रहा है। स्थानीय प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से लोगों की मुश्किलें बढ़ते जा रही है।

मारपीट में दो पक्षों के 22 नामजद

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाइच गांव में जमीन विवाद में दो पक्षों में जमकर लाठियां व ईट पत्थर चले। जिससे दोनों पक्ष के लोग जख्मी हो गए सभी। सभी जख्मियों का इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। मारपीट की इस घटना में दोनों पक्षों ने कुल 22 के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र से पुलिस ने ट्रक से 2224.8 ली.अंग्रेजी शराब किया बरामद

35 लाख की शराब लदी डीसीएम जब्त दो गिरफ्तार; सरगना की तलाश जारी

- गुप्त सूचना पर पुलिस को मिली सफलता
- डुमरांव एसडीपीओ ने प्रेस वार्ता आयोजित कर दी जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर पुलिस ने सर्फ की आड़ में शराब तस्करी का भंडाफोड़ करते हुए एक डीसीएम पर लदे करीब 35 लाख रूपए मूल्य के शराब की खेप बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों में एक यूपी का जबकि दूसरा बिहार के वैशाली का रहने वाला है। डीसीएम से कुल 2224.8 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुआ है, जिसका मूल्य 35 लाख रूपए के करीब आंका जा रहा है।

गिरफ्तार तस्करों में डीसीएम वाहन का चालक वैशाली जिला के गरजौल थाना क्षेत्र के कुतुपुर गांव निवासी पंकज कुमार पिता रमेश राय तथा दूसरा यूपी के बागपत जिला के छपरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत शेरपुर लोहरा गांव निवासी सोमिन पिता स्व. बारू शामिल है। पुलिस ने शराब लदी डीसीएम जिसका रजिस्टेज्शन नंबर यूपी 12 एटी 8786 को भी जब्त कर लिया है।

गुप्त सूचना पर मिली सफलता : डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने नया भोजपुर थाने में प्रेस वार्ता आयोजित कर इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि यूपी नंबर की मिनी ट्रक पर भारी मात्रा में शराब की खेप लेकर तस्कर यूपी से पटना की तरफ जा रहे है। अहले सुबह मिली इस सूचना पर तुरंत वरीय पदाधिकारी को जानकारी देते हुए नया भोजपुर पुलिस को अलर्ट किया गया। नया भोजपुर पुलिस थाना के पास ही पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुश्तैद हो वाहन जांच करने लगी। इस दौरान करीब 3.30 बजे पुलिस को उक्त ट्रक आती दिखाई दी। पुलिस ने जब उक्त ट्रक को रोक पूछताछ की तो चालक ने बताया कि ट्रक पर सर्फ लदा है, लेकिन पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि उक्त ट्रक में भरकर शराब की खेप लाई जा रही है।

मास्टर माइंड की तलाश में जुटी पुलिस : भारी मात्रा में शराब बरामद करने के बाद पुलिस के हौसले बुलंद है, पुलिस अब मुख्य तस्कर की तलाश में जुट गई है। एसडीपीओ ने कहा कि गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के आधार पर मास्टर माइंड तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। एसडीपीओ ने बताया कि जल्दी ही मास्टर माइंड को पकड़ लिया जाएगा। एसडीपीओ ने कहा कि शराब तस्करी पर पूर्ण रूप से लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि असली तस्कर की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस अब शराब तस्करी के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति को धरातल पर उतारने में जुट गई है। एसडीपीओ ने कहा कि इसके लिए सभी थानाध्यक्षों को विशेष निर्देश दिया गया है। पुलिस अब शराब तस्करी को रोकने के लिए हर दिन अभियान चला रही है। शराब की इस खेप को पकड़ने में डुमरांव एसडीपीओ के अलावे नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार, अपर थानाध्यक्ष सुमन कुमार, एएसआई अमृत लाल, अभिषेक कुमार के साथ ही नया भोजपुर थाने जवानों की सराहनीय भूमिका निभाई।

विधिवत तलाशी लेने के दौरान खुला राज

पुलिस ने सूचना की तहकीकात के लिए जब उक्त ट्रक की विधिवत तलाशी ली तो पाया कि गाड़ी में काफी मात्रा में शराब भरा पड़ा है। जिसके बाद गाड़ी को जब्त कर ड्राईवर तथा गाड़ी में मौजूद एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर थाना पर लाया गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि इस वाहन में शराब लदा है तथा इसे यूपी से लेकर पटना की तरफ जा रहे थे। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि इस संबंध में नया भोजपुर थाने में उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ऑटो एवं ई-रिक्शा से छात्र-छात्राओं का आवागमन कराने वाले स्कूल होंगे सील

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में एक अप्रैल से बच्चों को विद्यालय पहुंचाने को लेकर होने वाले परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। निर्धारित नियमों के उल्लंघन करने वाले ऑटो व ई-रिक्सा संचालकों पर कारवाई की जाएगी। कार्रवाई के तहत वाहन चालकों को आर्थिक जुर्माना के साथ ही वाहनों की जब्ती तक की कारवाई की जाएगी। इसको लेकर जिले की ट्रैफिक विभाग ने चौक चौराहों पर तैनात पुलिस अधिकारियों को निर्देशित कर दिया है। वहीं विद्यालयों को भी इसके बारे में टीम द्वारा जानकारी दी गई है। साथ ही, माइकिंग भी कराई गई है। विद्यालय एशोसिएशन ने इसपर आपत्ति जताया है। इसके रिविजन पर सरकार को विचार करने की बात कहा है। जिससे छोटे विद्यालयों के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़े।

जिले में डीटीओ के नेतृत्व में वाहनों के संचालन को लेकर कई बार विद्यालय संचालकों के साथ बैठक भी की गई है। इसके माध्यम से इन ऑटो एवं ई-रिक्सा के माध्यम से बच्चों के ट्रांसपोटेशन पर रोक लगाने को लेकर निर्देशित किया गया है। इसके बाद भी संचालन होता है तो नियमानुकूल परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक विभाग कारवाई करेगा।

प्रशिक्षित ऑटो चालकों का अभाव : जिले में लगभग सभी ऑटो एवं ई-रिक्सा चालकों प्रशिक्षित है। वहीं इनके द्वारा अक्सर तेज गति से व ट्रैफिक नियमों का भी पालन नहीं किया जाता है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन्हीं ऑटो चालकों द्वारा बच्चों को विद्यालय पहुंचाने व लाने का कार्य किया जाता है। वहीं इन वाहनों में विद्यालय के बच्चों के लिए सुरक्षा के मानकों का पालन भी नहीं किया जा रहा है।

शिक्षिका शांति देवी की पुण्यतिथी पर आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

- आयोजन की तैयारियों को लेकर की गई बैठक

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के स्थानीय गांव में मां शांति देवी पूर्व प्रधानाध्यापिका स्मृति संस्थान द्वारा शिक्षिका शांति देवी के पुण्य तिथि की तैयारी को ले एक बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता शिक्षक अजय कुमार विक्रांत जबकि संचालन पूर्व शिक्षक राजेंद्र प्रसाद ने किया। पुण्य तिथि 11 अप्रैल को मनाया जाएगा।

स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित इस बैठक में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं खेल प्रतियोगिता कराने का निर्णय लिया गया। क्विज प्रतियोगिता वर्ग छह से 8आठ एवं नौवीं से 10वीं के बच्चों के लिए दो श्रेणी में की जाएगी। वहीं, खेल प्रतियोगिता में बालिका के लिए वर्ग छह से आठ के लिए 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और 800 मीटर दौड़ एवं 9से 10 के लिए 400 और 800 मीटर दौड़ कराई जाएगी। बालक के लिए वर्ग छह से आठवीं तक के लिए, 200 मीटर, 400 मीटर और 1600 मीटर दौड़ एवं वर्ग 9 से 10 के लिए 1000 मीटर, 1600 मीटर दौड़ कराने का निर्णय लिया गया।

इसके साथ ही भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, हैंडबॉल, फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं प्रत्येक वर्ष की भांति गरीब व असहाय बच्चो के बीच कॉपी पेन वितरण करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से राजद नेता सुनील कुमार उर्फ पप्पू यादव, विनोद कुमार, अरुण मिश्रा, रतन राउत, संतोष कुमार दिवेदी, विजय प्रताप सिंह, अरुण मिश्रा सहित अन्य उपस्थित रहे।

नावानगर के विश्वकर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में भागवत कथा की हुई शुरुआत

मनुष्यों को अनिवार्य रूप से सुननी चाहिए श्रीमद्भागवत की कथा: किशोरी प्रज्ञा पांडेय

- कथा सुनने के लिए आसपास के गांवों से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

केटी न्यूज/नवानगर

प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित पड़ाव पोखरा पर बने विश्वकर्मा मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को ले चल रहे श्री श्री 1008 श्री विश्वकर्मा प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के छः दिवसीय अनुष्ठान में आयोजित भागवत कथा महायज्ञ में सोमवार को बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया।

इस अवसर पर कथावाचिका किशोरी प्रज्ञा पांडेय ने श्रीमद्भागवत की कथा सुनाई और भगवान कृष्ण की महिमा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के सभी तरह के संतापों के नाश के लिए भागवत कथा एकमात्र साधन है। महायज्ञ के दौरान भक्तों ने पूजा-अर्चना की और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर भागवत कथा सुनने स्थानीय निवासियों के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु भक्त पहुंच रहे है। वहीं, इस आयोजन से इलाके का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं का तांता महायज्ञ स्थल पर पहुंच रहा है। इस दौरान श्रद्धालु कथामृत का पान करने के साथ ही महायज्ञ मंडप की परिक्रमा भी कर रहे है। किशोरी प्रज्ञा पांडेय ने बताया कि यज्ञ मंडप की परिक्रमा से यज्ञ का फल मिल जाता है।

कथावाचिका प्रज्ञा पांडेय ने कहा कि भागवत कथा हमें जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और हमें भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण मात्र से ही मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करना चाहिए।

मौके पर कमिटी के मंगल सिंह, जगरोपन शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, रवि शर्मा, मंगल शर्मा, झुनर सिंह, शिवजी शर्मा, संजय शर्मा, सुनील शर्मा, दिनेश फैशन, सागर खतरी सोनू शर्मा सहित अन्य लोग बढ़ चढ़कर योगदान दें रहे है।

फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, बड़ा हादसा टला

तनिष्क शोरूम में आग, दूसरे घरों की छत पर कूदे ग्राहक

- शो-रूम के बाहर खड़ी दस बाइक जलकर हुई खाक
- 22 दिन पहले इसी शोरूम में 10 करोड़ की हुई थी लूट

केटी न्यूज/आरा

टाउन थाना क्षेत्र अन्तर्गत शीशमहल चौक स्थित तनिष्क शोरूम में मंगलवार की दोपहर अचानक आग लग गई। जिसमें करीब दर्जनभर से अधिक बाइक जलकर खाक हो गई। एक कार को भी क्षति पहुंची है। इस दौरान फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। जिसके कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।इस दौरान काफी देर अफरातफरी मची रही। आग लगने का कारण वेल्डिंग से निकली चिंगारी बताया जा रहा है। बीस दिनों के अंदर शोरूम में दूसरी घटना हुई है। शोरूम में ही दस मार्च लूट की बड़ी घटना घटित हुई थी।हादसे के समय ऊपरी फ्लोर पर मौजूद बीस से अधिक ग्राहक एवं 30 से अधिक कर्मचारी बगल के मकान के रास्ते सुरक्षित बाहर बाहर निकाले गए। उधर, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तनिष्क शोरूम के बेसमेंट में वेल्डिंग का काम चल रहा था। इसी बीच चिंगारी निकलने से बेसमेंट में खड़ी कार में आग लग गई। धीरे-धीरे आग बेकाबू हो गई और पूरे बेसमेंट को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के कारण शोरूम में धुआं फैल गया और शोरूम में काम कर रहे कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई।आरा में मंगलवार को तनिष्क शोरूम में भीषण आग लग गई। आग शोरूम के बेसमेंट में लगी थी। बताया जा रहा है कि गार्ड के बैठने के लिए चेयर स्टैंड बनाया जा रहा था, उसकी वेल्डिंग से निकली चिंगारी से आग लगी। जिस वक्त आग लगी शोरूम में 40 कर्मचारी और ग्राहक भी मौजूद थे। कर्मचारियों ने बताया- अंदर कस्टमर्स भी थे। हम उन्हें गहने दिखा रहे थे। धुआं भरने लगा तो हम डरकर भागे। शोरूम में मौजूद ग्राहक ने बताया कि गेट से धुआं उठ रहा था। हम छत की ओर भागे और पड़ोस वाली छत पर कूदकर नीचे आए। आग से बेसमेंट में खड़ीं 10 बाइक जलकर राख हो चुकी हैं।

22 दिनों पहले यहां हुई थी लूट की घटना : 22 दिन पहले इसी शोरूम में 10 करोड़ की लूट हुई थी। शोरूम की छत से दूसरे के घरों की छत पर कूदेआग लगने के वक्त शोरूम में मौजूद ग्राहक उमेश कुमार सिंह ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ मंगलसूत्र खरीदने आया था। हमने अपनी दो बाइक बाहर सड़क पर पार्क की। शोरूम वालों ने कहा गाड़ी बेसमेंट में पार्क कर दीजिए। बेसमेंट के अंदर वेल्डिंग का काम चल रहा था। उसी से गाड़ी में आग लगी और फैल गई। दुकान में धुआं फैल गया। हम लोग छत पर भागे। वहां से दूसरे मकान पर कूदकर किसी तरह जान बचाई।

धुआं भरने के बाद भागेसेल्समैन : राहुल ने बताया कि सभी स्टाफ अपने-अपने फ्लोर पर कस्टमर्स से डील कर रहे थे। इसी बीच धुआं-धुआं हो गया और हालात खराब हो गए। जैसे-तैसे शोरूम से निकलकर बाहर आएं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शोरूम के बेसमेंट में वेल्डिंग का काम चल रहा था। इसी बीच चिंगारी निकलने से बेसमेंट में खड़ी कार में आग लग गई। धीरे-धीरे आग बेकाबू हो गई और पूरे बेसमेंट को चपेट में ले लिया है। आग लगने के कारण धुआं पूरे शोरूम के अंदर फैल गया।'आरा में 10 मार्च को तनिष्क शोरूम में हुई 10 करोड़ की ज्वेलरी की लूटपाट मामले में डायल-112 से जुड़े एक दरोगा ,एक महिला और एक पुरूष सिपाही को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

आरा सांसद ने लोकसभा सत्र में एक बार फिर उठाया सहारा के निवेशकों का मुद्दा

- सहारा इंडिया के अधिकारी, निवेशकों का धन हड़प कर देश विदेश में छुपे हुए है

केटी न्यूज/आरा

आरा सांसद सुदामा प्रसाद ने आज लोकसभा के शून्य काल में सहारा निवेशकों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सहारा रिफन्ड पोर्टल पर लगभग एक लाख करोड़ रुपया का क्लैम सहारा के जमा-कताओं ने किया है, जो ब्याज समेत लगभग ढाई लाख करोड़ होता है। सहारा इंडिया की वैली, मुंबई की बसोर्वा की जमीन समेत सहारा की सभी संपत्तियों की कीमत लाखो करोड़ में है। सहारा रिफन्ड पोर्टल पर सहारा की अन्य कंपनियां सहारा क्यू शॉप, सहारा इंडिया कॉमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड भी मौजूद है। सहारा रिफन्ड पोर्टल पर डेथ क्लैम और एमआईएस का क्लैम नहीं लिया जा रहा है। सहारा इंडिया के जमा-कताओं का डाटा सेंट्रल कॉपरेटिव रजिस्ट्रार को नहीं दे रहा है। सहारा इंडिया से भुगतान नहीं मिलने के कारण देश भर में लगभग दस हजार जमा-कताओं और अभिकताओं ने अभाव और तनाव के कारण आत्महत्या कर ली है। सहारा इंडिया के अधिकारी, निवेशकों का धन हड़प कर देश विदेश में छुपे हुए है। सहारा इंडिया, अपनी जमीनों को औने-पौने दाम पर बेच रही है। सहारा इंडिया कार्य-कताओं का बकाया कमीशन और भविष्य निधि का पैसा हड़पना चाहती है। सहारा इंडिया के जमा-कताओं और कार्य-कताओं का काटा हुआ इंकम टैक्स का पैसा इंकम टैक्स कार्यालयों में जमा नहीं कराया जा रहा है।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है : राज्यपाल

बिक्रमगंज। सूबे के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बिक्रमगंज एक निजी स्कूल में आयोजित भारतीय नव वर्ष महोत्सव में शामिल हुए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक इंद्रेश कुमार और अहिंसा विश्व भारती के जैन आचार्य लोकेश जी मौजूद रहे। राज्यपाल ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। उन्होंने कहा कि शताब्दियों की गुलामी के दाग को विकसित राष्ट्र बनकर मिटाना है। राज्यपाल ने बिहार और बिहार के छात्रों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों से बिहारी निकल जाएं तो वहां की गतिविधियां ठप हो जाएंगी।

सुधार एवं राजस्व मंत्री ने किया दरभंगा मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

दरभंगा। भूमि सुधार एवं राजस्व मंत्री संजय सरावगी ने मंगलवार को डीएमसीएच (दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न्यू सर्जिकल भवन और मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जीविका दीदियों ने छह महीने से बकाया मानदेय भुगतान की मांग को लेकर मंत्री का घेराव किया। मंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत कर जल्द मानदेय भुगतान का आश्वासन दिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर संतोष जताते हुए कहा कि जो भी कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द ही दूर किया जाएगा।

ऑपरेशन मुस्कान : चोरी और गुम हुए 95 लोगों को पुलिस ने लौटाया उनका मोबाइल

केटी न्यूज/आरा

ऑपरेशन मुस्कान पुलिस दफ्तर में मंगलवार की दोपहर एसपी ने असली धारकों को सौंपे मोबाइल करीब 20 लाख रुपए आंकी जा रही बरामद मोबाइल की कीमत साल के पहले दिन भी पुलिस ने ढूंढ़ निकाले थे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत पुलिस की ओर से 95 लोगों के गुम या चोरी गये मोबाइल बरामद करते हुए धारकों को वापस किये गये। पुलिस अधीक्षक के दफ्तर में एसपी राज की ओर से असली धारकों को मोबाइल सौंपे गये। बरामद मोबाइल की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। इधर, काफी दिनों से गुम या चोरी गया मोबाइल मिलते ही लोगों के चेहरे खिल उठे। होठों पर मुस्कान तैर गयी। मोबाइल मिलने के बाद लोगों ने एसपी और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद किया। लोगों का कहना था कि पुलिस की सक्रियता के कारण उनका खोया मोबाइल मिल गया है। वहीं, एसपी राज ने बताया कि पिछले कुछ समय पहले चोरी या गुम हुए 95 मोबाइल बरामद कर लौटाया गया। उन्होंने कहा कि विभिन्न थानों में मोबाइल चोरी या गुम हो जाने का सनहा दर्ज होने के बाद टीम बरामदगी को लेकर लगातार काम करती है। उसी कड़ी में इस बार 95 मोबाइल बरामद किये गये हैं। इससे पहले दिसंबर माह में भी 80 मोबाइल बरामद किये गये थे। मौके पर एसपी ने मौजूद लोगों से सावाधानी बरतने के साथ ही मोबाइल चोरी या गुम होने पर पुलिस के पास शिकायत जरूर दर्ज कराने की बात कही, ताकि पुलिस की विशेष टीम मोबाइल बरामद कर सके और अपराधी दुरुपयोग नहीं कर सकें।

नव वर्ष के दौरान बखोरापुर गांव में कार्यक्रम के दौरान पवन सिंह का नाम आने पर भड़की अक्षरा

बोली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह... पीछे से कुत्ते भौकते हैं, मैं शेरनी का कलेजा रखती हूं

केटी न्यूज/आरा

आरा में पवन सिंह का नाम सुनते ही अक्षरा सिंह भड़क गई और मंच से कहा-सामने आओ, पीछे से तो कुत्ते भौंकते हैं, मैं शेरनी का कलेजा रखती हूं इसका विडियो अब सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है। विडियो में अक्षरा सिंह के कार्यक्रम में मौजूद लोग पवन सिंह का नाम लेकर हूटिंग कर रहे थे। इसके बाद उन्होंने पहले अपने साथ परफॉर्म कर रहे साथी कलाकार राकेश मिश्रा को रोका। फिर पीछे बैठे लोगों को अपनी ओर आने का इशारा किया। इसके बाद कार्यक्रम में पीछे दर्शक दीघा में बैठे लोगों की तुलना कुत्ते से कर दी। अक्षरा सिंह ने कहा कि ऐसे लोग हर समाज में मिल जाते हैं, जिनसे कहीं न कहीं भेंट हो ही जाती है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं की पूरा का पूरा भोजपुर मुझे प्यार नहीं करता। अक्षरा सिंह हिंदू नव वर्ष के दौरान आरा के बखोरापुर गाव पहुंची थीं। वे अपने साथी सिंगर के साथ मंच पर थीं। तभी दर्शकों में से किसी ने पवन सिंह का नाम लेकर हूटिंग शुरू कर दी, जिसके बाद अक्षरा सिंह को गुस्सा आ गया।बता दें कि पवन सिंह और अक्षरा सिंह एक दूसरे के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। दोनों की कई फिल्में हिट भी रहीं। दर्शक इन दोनों की जोड़ी को खूब पसंद भी करते थे। लोग कहते है की पवन और अक्षरा काफी समय तक रिलेशनशिप में भी थे। दोनों के बीच नजदीकी इतनी हो गई थी कि भोजपुरी फिल्मी इंडस्ट्री में इनकी शादी तक की चर्चा होने लगीं, लेकिन 2018 में पवन सिंह ने अक्षरा को बिना बताए ज्योति सिंह से शादी कर ली थी। ऐसी चर्चा है की ज्योति सिंह शादी के बाद पवन सिंह के साथ उनका ब्रेकअप हो गया।ब्रेकअप के बाद पवन सिंह और अक्षरा सिंह के बीच इतना मनमुटाव हो गया कि अब दोनों एक दूसरे के धुर विरोधी बन गए। अक्षरा सिंह कई मौकों पर पवन सिंह पर बड़े आरोप लगाती रही हैं। उन्होंने यहां तक कहा था कि पवन ने मेरा करियर बर्बाद कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

पेयजल समस्या को लेकर बागबेड़ा वासियों ने किया जगह-जगह प्रदर्शन

जमशेदपुर, एजेंसी। पेयजल की समस्या से जूझ रहे बागबेड़ा के लोगों ने मंगलवार को क्षेत्र में जगह-जगह प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन रामनगर हनुमान मंदिर प्रांगण, गांधीनगर शाखा मैदान, पश्तो नगर मंदिर प्रांगण और हरहरगुट्टू तालाब के पास किया गया। दरअसल वे बागबेड़ा महानगर विकास समिति की अगुवाई में जिला मुख्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन करने वाले थे। परंतु सरहुल के अवकाश की जानकारी मिलने के बाद समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने सभी को प्रदर्शन स्थगित किये जाने की जानकारी दी। इसके कारण जहां से उन्हें निकलना था, वहीं पर प्रदर्शन कर अपने-अपने घरों को लौट गये। अब तय हुआ है कि गुरुवार या शुक्रवार को समाहरणालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। बागबेड़ा महानगर विकास समिति बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को धरातल पर उतरने, बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने और फिलहाल टैंकर से जलापूर्ति किये जाने की मांग को लेकर आंदोलित है।

पलामू की 79 शराब दुकानों के संचालन पर संशय

मेदिनीनगर (पलामू), एजेंसी। राज्य सरकार ने शराब बिक्री पर नई उत्पाद नीति को अमली जामा पहनाने से पहले आगामी एक अप्रैल से शराब दुकानों का संचालन झारखंड राज्य बिवरेजेज कार्पोरेशन लि.से कराने का निर्णय लिया है। अब इस निर्णय के विभाग द्वारा एजेंसी से दुकानों का हैंड ओवर लेने का काम भी तेजी से आरंभ कर दिया गया। वहीं, दूसरी ओर एक अप्रैल से जिले के सभी 79 अंग्रेजी, देशी और कंपोजिट दुकानों के संचालन पर संशय व्यक्त किया जा रहा है। दरअसल, सभी शराब दुकानों में एजेंसी का मैन पावर काम कर रहा है। अब जेएसबीसीएल चाह कर भी इतने बड़े पैमाने पर अपने स्तर से कर्मियों की बहाली नहीं कर सकती है। इसे लेकर विभाग पुराने व मंझे हुए कर्मियों के माध्यम से दुकानों का संचालन करने पर विचार कर रही है। इस संबंध में पूछे जाने पर उत्पाद अधीक्षक बताते है कि सिर्फ नियोजनालय से निबंधित कर्मियों की सेवाएं लिया जाना है। बता दें कि एक दुकान में तीन सैल्स मैन कार्य कर रहे हैं। इस स्थिति में विभाग को कम से कम 227 कर्मियों की जरूरत पड़ेगी। अब वर्तमान में कार्यरत कर्मियों में 150 से अधिक कर्मियों का नियोजनालय में निबंधन नहीं है। इस स्थिति में एक साथ 79 दुकानों का संचालन मुश्किल लग रहा है। यह अलग बात है कि विभाग द्वारा पूर्व के एजेंसी द्वारा बहाल कर्मियों से दुकानों का संचालन करा लें। इस स्थिति में पलामू जिले में एक बार फिर ओवर रेंटिंग का खेल शुरू हो सकता है। दो दारोगा के बूते चल रहे जिले में ओवर रेटिंग पर नियंत्रण उत्पाद विभाग के लिए बड़ी चुनौती होगी। कुल मिलाकर सभी दुकानों का संचालन नहीं किए जाने पर विभाग को राजस्व नुकसान तय माना जा रहा है। शराब दुकानों में मैन पावर सप्लाई करने वाली केएस कंपनी के कर्मियों को पिछले आठ माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। यह अलग बात है कि ओवर रेटिंग के वसूली गई राशि से इनका काम चलता रहा है। दूसरी ओर विभागीय सूत्रों के अनुसार कंपनी ने शराब बिक्री का करीब चार करोड़ रूपये विभाग के खाते में जमा नहीं किए है। इस स्थिति में 31 मार्च के बाद कंपनी से इतनी बड़ी राशि की वसूली विभाग के लिए एक मुश्किल काम होगा। 31 मार्च से जिले से अपना बारिया बिस्तर बांधने की तैयारी पर लगी कंपनी ने शराब की बिक्री की राशि में एक अलग तरह का खेला कर दिया। पिछले एक सप्ताह के शराब बिक्री के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो चार दिनों में औसत से आधे से भी कम बिक्री के आंकड़े जारी किए गए है।

बरहेट में कोयला ढोने वाली दो मालगाड़ी आपस में टकराई, 2 की मौत

साहिबगंज, एजेंसी। एनटीपीसी के एमजीआर लाइन पर मंगलवार सुबह बरहेट यार्ड के समीप दो मालगाड़ियों में भिड़ंत हो गई। टक्कर काफी जबरदस्त थी। टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और दोनों के इंजन समेत कई बोगियों के परखच्चे उड़ गए।

जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद कोयला लदी मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई। इस हादसे में पहले से खड़ी मालगाड़ी के दो लोको पायलट की मौत हो गई।

इस हादसे में चार कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बरहेट सीएचसी में भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। घायलों को मालदा भेजा गया है। मृतकों में बोकारो जिला के सेक्टर नौ निवासी 32 वर्षीय अंबुज महतो तथा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जियागंज निवासी ज्ञानेश्वर माल शामिल हैं।

घायलों में 32 वर्षीय जितेंद्र कुमार, 45 वर्षीय उदय मंडल, 55 वर्षीय राम घोष और 48 वर्षीय टीके नाथ शामिल हैं। मंगलवार की सुबह करीब 3ः30 बजे में कोयला लेकर जा रही दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गई थीं। एक मालगाड़ी ललमटिया से फरक्का की ओर जा रही थी। जबकि दूसरी मालगाड़ी फरक्का से ललमटिया की ओर जाने के लिए खाली ट्रैक पर खड़ी थी। जानकारी मिली है कि घटना के बाद मालगाड़ी के इंजन में आग लग गई थी। इसकी सूचना लोगों ने अग्निशमन विभाग को भी दी। इसके बाद साहिबगंज और राजमहल से दो दमकल मौके पर भेजी गई। दमकल कर्मियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जाता है कि फरक्का से ललमटिया जा

रही खाली मालगाड़ी बरहेट में बनाए गए साइड लाइन में खड़ी थी।

कोयला लेकर फरक्का जा रही मालगाड़ी को सीधे जाना था, लेकिन कंट्रोलर की गलती से वह भी साइड लाइन पर चली गई और वहां पहले से खड़ी मालगाड़ी से जा टकराई। दोनों मालगाड़ी में दो-दो इंजन लगे थे। घटना हुए साढ़े चार घंटे से अधिक बीतने के बाद भी एनटीपीसी के कोई पदाधिकारी सुबह आठ बजे तक घटनास्थल पर नहीं पहुंचा था। इससे कर्मियों में भी काफी आक्रोश देखा गया।

कोयला ढोने वाली मालगाड़ियों के टकराने की घटना को लेकर भारतीय रेलवे ने अपनी ओर से स्थिति स्पष्ट की है। रेलवे ने कहा है कि यह एनटीपीसी के स्वामित्व वाली एमजीआर लाइन (मेरी गो राउंड) एक निजी ट्रैक है। इसे एनटीपीसी के द्वारा ही संचालित किया जाता है। रेलवे ने कहा है कि ये रेल मार्ग कहलगांव और फरक्का ताप विद्युत संयंत्रों को जोड़ता है और इसे आमतौर पर एनटीपीसी ललमटिया एमजीआर के नाम से जाना जाता है। ऐसे में इस हादसे का भारतीय रेलवे से कोई संबंध नहीं है। जानकारी के अनुसार, हादसे के बाद एनटीपीसी ने रेलवे के मालदा मंडल से सहायता मांगी है। इसके तहत 140 टन की क्रेन भेजने के लिए अनुरोध किया गया है। कोलकाता में रेलवे के सीपीआरओ डी दत्ता का कहना है कि क्रेन साहिबगंज से भेजी जा रही है और रेल मार्ग बहाली कार्य में एनटीपीसी के अफसरों की हर संभव मदद की जा रही है।

फिर बगड़ने वाला है मौसम, रांची समेत 11 जिलों में तूफान-बारिश की चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची समेत पूरे राज्य के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मार्च महीने के अंत तक कभी तेज धूप के कारण बढ़ती तपिश तो कभी बंगाल की खाड़ी से आई नमी मौसम में ठंड का रस घोल रही है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान की बात करें तो एक अप्रैल तक राजधानी समेत पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहेगा। लोगों को तपती गर्मी से जूझना पड़ेगा। दो अप्रैल से मौसम एक बार फिर करवट लेगा और राज्य के उत्तर पश्चिमी हिस्से यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा के अलावा निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी में मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहेगी।

साथ ही इन जिलों में बिजली गिरने की भी आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग ने इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, 3 अप्रैल को मध्य और निकटवर्ती भागों के अलावा दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां 50 से 60 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहेगी और कहीं कहीं बिजली गिर सकती है। इन जिलों में यह स्थिति 4 अप्रैल तक बनी रहेगी।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान राज्य के आधे हिस्से में मेघगर्जन और छिटपुट वर्षा होने की संभावना है,आधे हिस्से में तपती गर्मी का असर देखने को मिलेगा।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। अधिकतम तापमान बोकारो थर्मल का 39.1 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस हजारीबाग का रिकार्ड किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

शंकर साव अध्यक्ष और रवि रंजन चेकनाका पूजा समिति के महामंत्री बनाये गये

पलामू, एजेंसी। श्रीरामनवमी पूजा महासमिति के संरक्षक सह मनोकामना सिद्ध हनुमान मंदिर के पुजारी त्रिभुवन पांडेय ने कहा कि रामनवमी का पर्व मनाने की सार्थकता तभी पूरी होगी, जब हम भगवान श्रीराम के आर्दशों को अपने अंदर उतारें।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारी हो रही थी, उसी समय पिता के आदेश पर वे 14 वर्ष के लिए वनवास चले गये थे. त्रिभुवन पांडेय श्रीरामनवमी पूजा समिति, चेकनाका की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे।

त्रिभुवन पांडेय ने कहा कि भगवान होते हुए भी श्रीराम ने एक साधारण मनुष्य की तरह अपना जीवन यापन किया. वे चाहते तो एक पल में रावण का नाश कर सकते थे, लेकिन उन्होने ऐसा नहीं किया. श्रीराम अपने आदर्शों पर चले और अंततः विजय हुए। उन्होंने समाज में एक आदर्श स्थापित किया था, इसलिए उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम राम कहते हैं. उन्होंने अपनी उर्जा सकारात्मक व धर्म की राह पर लगाने की अपील की।

बैठक में चेकनाका समिति का पुर्नगठन किया गया. बैठक में सर्वसम्मति से पूजा समिति का अध्यक्ष शंकर साव को चुना गया. वहीं संरक्षक मनोहर प्रसाद, राम जन्म प्रसाद, रामनाथ प्रजापति व उदय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष विवेक सिन्हा, महामंत्री मंत्री रवि रंजन प्रसाद (रानू) और मीडिया प्रभारी अखिलेश कुमार श्रीवास्तव व दुर्गेश कुमार को बनाया गया। बैठक में रामनवमी के अवसर पर धूमधाम से पूजा करने का निर्णय लिया गया. रामनवमी में आकर्षक झांकी निकालने और भक्ति जागरण व अन्य कार्यक्रम आयोजित करने का भी फैसला लिया गया।

ओडिशा रेल हादसे के कारण रिलीफ ट्रेन के तौर पर चलेगी संपर्क क्रांति, नीलांचल और नंदन कानन लेट

धनबाद, एजेंसी। कटक निर्गुंडी में बेंगलुरु-कामाख्या एसएमवीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं कई लोग घायल हैं। हालांकि, रेलवे के अधिकारियों द्वारा मृतक के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। बेंगलुरु- कामाख्या एक्सप्रेस के रविवार की सुबह बेपटरी होने के कारण रेल सेवा अस्त-व्यस्त हो गई है। ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। बैरंग, कटक, केंद्रपाड़ा रोड, नरगुंडी और कपिलास रोड के बदले बैरंग, नाराज माथापुर और कपिलास रोड होकर चलाने की सूचना जारी की गई है। नाराज माथापुर और कपिलास रोड स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव भी होगा। ट्रेन बेपटरी होने के कारण 12875 पुरी-आनंदविहार नीलांचल एक्सप्रेस के मार्ग में बदलाव किया गया है। मार्ग परिवर्तन के कारण लगभग दो घंटे विलंब से चल रही है।

12815 पुरी-आनंद विहार नंदन कानन एक्सप्रेस 3 घंटे 20 मिनट लेट से चल रही है। शाम 4ः15 पर चलने वाली भुवनेश्वर- आनंद विहार ओडिशा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के रात 11ः45 पर चलने की घोषणा की गई है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने ओडिशा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को रिलीफ ट्रेन के रूप में चलाने की घोषणा की है। इस वजह से ट्रेन के कोच संयोजन में भी बदलाव होगा। जनरल के दो के बदले चार कोच जोड़े जाएंगे। स्लीपर में छह के बदले पांच, थर्ड एसी के सात के पांच और पैंट्री कार भी जुड़ेगा। हादसे की खबर मिलते ही एनडीआरएफ और दमकल की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। ट्रेन में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश जारी है।

ओडिशा में ट्रेन बेपटरी होने के कारण रविवार को रवाना हुई भुवनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन का मार्ग बदल दिया गया। अपने निर्धारित मार्ग बरांग, कटक, निरगुंडी, सालगांव और राज आठगढ़ के बदले बरांग, नाराज मार्थापुर व राज आठगढ़ होकर चलने की सूचना जारी की गई। गोमो होकर चलने वाली पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस और नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस के मार्ग बदल कर चलने की घोषणा की गई। वहीं, दूसरी ओर 27 मई को चलने वाली 03680 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल ट्रेन का ठहराव विजयवाड़ा से वारंगल के बीच महबूबाबाद स्टेशन पर नहीं होगा। सिकंदराबाद मंडल के महबूबाबाद स्टेशन पर तीसरी रेल लाइन निर्माण और नॉन इंटरलाकिंग के कारण अस्थायी रूप से बदलाव किया गया है।

रांची-दरभंगा हवाई सेवा और राउरकेला-जयनगर ट्रेन पर केंद्रीय मंत्री का बड़ा बयान

रांची, एजेंसी। रांची-दरभंगा हवाई सेवा और राउरकेला-जयनगर ट्रेन पर केंद्रीय मंत्री ने बड़ा बयान दिया है. रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा है कि रांची-दरभंगा हवाई सेवा जल्द से जल्द शुरू करने और राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन को प्रतिदिन करने के लिए पहल करेंगे. उन्होंने कहा कि मिथिला के चतुर्दिक विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुत कुछ कर रहे हैं. खासकर मखाना को उद्योग का दर्जा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में काम हो रहा है.

संजय सेठ मैथिली मंच की ओर से राजधानी रांची के हरमू मैदान में आयोजित तीन दिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि यहां आकर काफी अच्छा लगता है. इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रांत संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मैथिली भाषा-भाषी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये हुए हैं. साथ ही अपनी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं.

समारोह में रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय, पूर्व डिप्टी मेयर अजय नाथ शाहदेव सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत भगवती वंदना एवं राष्ट्र गान से हुई. अतिथियों का स्वागत पाग-दोपटा और पौधा देकर किया गया. स्वागत भाषण विद्यानाथ झा और धन्यवाद ज्ञापन जयंत कुमार झा ने किया. इस अवसर पर विशिष्ट योगदान के लिए अनेक विभूतियों को सम्मानित किया गया.

समारोह के दूसरे सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यापति गीत, लोक गीत, पारंपरिक नृत्य पेश किया गया. पटना की रंजना झा ने विद्यापति गीत पिया मोर बालक हम तरुणि गेज, चानन भेल विसम सर रे भूषण भेल भारीज्गाया. स्थानीय कलाकार बबीता झा ने 'हे हर हमर करहु प्रतिपालाज', 'सुतल पिया के जगावे हो रामा', 'खाके मगहिया पान यौ पाहुन हमर जान कियै लई छीज' से लोगों का दिल जीता. वहीं, निखिल महादेव झा ने 'ललका धोती-कुर्ता पर पाग देखियोज', 'जनम मिथिले में भेलज' सहित अन्य गीतों पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया.

पाहन ने इस साल सामान्य से कम बारिश का लगाया अनुमान!

रांची, एजेंसी। पूरे झारखंड में सरहुल का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है. इस दौरान सरना स्थल पर प्रकृति, पूर्वज और देवी देवताओं की पूजा की गई. सरना स्थल पर दो घड़े में रखे पानी का आकलन कर हतमा सरना समिति के पुजारी जगलाल पाहन ने बताया कि इस साल सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है।

पूजा में बलि प्रथा की मान्यता : इससे पहले पुजारी जगलाल पाहन ने सरना स्थल पर विधि विधान के साथ देवी देवताओं, प्रकृति और पूर्वजों की पूजा की. इस दौरान सफेद यानी चरका मुर्गे की बलि भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गे की बलि जल देवता यानी इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गे की बलि पूर्वजों को और काले मुर्गे की बलि अनिष्ट करने वाली आत्माओं की शांति के लिए दी गई. पूजा के बाद घड़े में रखे पानी से पाहन को स्नान कराया गया. थाली में उनके पैर धोए गए. इसके बाद पाहन ने बारिश की भविष्यवाणी की।

अखड़ा से शोभायात्रा निकालने की तैयारीः पुजारी : बता दें कि पिछले साल यानी 2024 में सरहुल पूजा के दौरान पहन में अच्छे मानसून के भविष्यवाणी की थी. उसका नतीजा भी दिखा था. लेकिन इस साल औसत से कम बारिश की भविष्यवाणी किसानों के लिए चिंता का विषय है।

देवघर-वाराणसी के बीच वंदेभारत ट्रेन का फिर से स्थायी तौर पर होगा परिचालन

देवघर, एजेंसी। बैद्यनाथधाम जंक्शन से देवघर-वाराणसी के बीच वंदेभारत ट्रेन का फिर से स्थायी तौर पर परिचालन प्रारंभ होगा। 15 सितंबर को बाबाधाम स्टेशन से काशी विश्वनाथ वंदेभारत का शुभारंभ हुआ था। द्वादश ज्योतिर्लिंग में एक बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर के प्राचीन रेलवे स्टेशन से देवघर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रांची से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया था। इसके बाद बैद्यनाथधाम स्टेशन के जीर्णोद्धार, ट्रैक मरम्मत, रेल अंडर पास के कार्य को कराने के लिए वंदेभारत को शिफ्ट कर देवघर स्टेशन से परिचालन कर दिया गया था। साथ ही 24 अक्टूबर से बैद्यनाथधाम-जसीडीह के बीच रेल परिचालन को बंद कर दिया गया था। मंगलवार से बैद्यनाथधाम-जसीडीह के बीच रेल परिचालन शुरू हो रहा है।

डीआरएम आसनसोल ने बताया कि एक अप्रैल से यह परिचालन शुरू हो रहा है। सभी सवारी गाड़ियां इस रूट पर चलेगी। बैद्यनाथधाम स्टेशन के जीर्णोद्धार का काम भी जल्द शुरू होगा। देवघर-वाराणसी वंदे भारत से पर्यटन को पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। देवघर से गया रूट होकर चलने वाली यह ट्रेन दो ज्योतिर्लिंग को सीधे जोड़ने के साथ साथ तीन

तीर्थस्थल को जोड़ रही है। जानकारी हो कि बैद्यनाथधाम-जसीडीह रेलखंड पर बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन और पुरनदाहा के पास रेल अंडर पास बन गया है। पुरनदाहा अंडर पास चालू हो गया है।

देवघर-वाराणसी वंदेभारत का परिचालन जल्द ही बैद्यनाथधाम स्टेशन से शुरू होगा। अभी यह ट्रेन देवघर स्टेशन से चल रही है। सारा कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।-डॉ. निशिकांत दुबे, सांसद। जहां एक तरफ वंदे भारत को चलाने की खबर सामने आई है। वहीं, दूसरी ओर, एक और देवघरवासियों के लिए एक और अच्छी खबर है। पांच महीने बाद बैद्यनाथधाम-जसीडीह के बीच मंगलवार से रेल परिचालन शुरू हो रहा है। रेलवे ट्रैक को दुरूस्त किया गया है। विद्युतीकरण का पोल और तार बदल दिया गया है। सोमवार को रेलखंड पर पुरनदाहा के निकट विद्युत तार की जांच अभियंता की टीम कर रही थी।

इससे पहले डीजल इंजन से ट्रैक पर ट्रायल रन हुआ था। दो रेल अंडर पास बना दिया गया है। पुरनदाहा के निकट रेलवे फाटक को बंद कर रेल अंडर पास चालू कर दिया गया है। यह बहुत बड़ी राहत आवाम के लिए हुआ है। जाम से निजात मिल गया है। लोग आराम से इस रास्ते से अब आ जा रहे हैं। आने और जाने के दो रास्ते बनाए गए हैं। दूसरा अंडर पास बैद्यनाथ धाम स्टेशन के पास बना है। लेकिन इसमें रासते के ढ़लाई का काम बाकी है। इसके बनते ही स्टेशन के निकट का भी रेलवे फाटक बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद रेलवे स्टेशन का लुक बदल जाएगा। यह रास्ता जो अक्सर जाम रहता था और काफी संकीर्ण होने के नाते बहुत परेशानी भरा था।

उससे राहत होगी। बैद्यनाथधाम स्टेशन का होगा जीर्णोद्धार बैद्यनाथधाम स्टेशन का जीर्णोद्धार होगा। प्लेटफार्म की लंबाई बढ़ेगी। भवन का मरम्मत होगा। प्लेटफार्म संख्या दो को बनाने की योजना है। इस पर जल्द ही कार्य आरंभ होने वाला है। डीआरएम आसनसोल ने बताया कि ट्रैक का कार्य हो चुका है अब जल्द ही स्टेशन के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू होगा। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सारा विकास कार्य किया जाएगा। दो अंडर रेल पास से देवघर वासी को राहत ट्रेन के आवागमन के समय दोनों रेलवे फाटक के बंद रहने से लोगों को परेशानी होती थी। कभी कभी ऐसा भी हुआ है कि इमरजेंसी है और फाटक बंद हो गया। स्कूल, कालेज के वक्त भी यह परेशानी होती थी। अब बेरोक टोक आना जाना कर सकते हैं।

सुभाषितम्

बाधाए वो डरावनी चीजे है, जो आप तब देखते है जब आप लक्ष्य से अपनी आँखे हटा लेते है। - हेनरी फोर्ड

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा। भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद्द तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है। भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके। देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है। आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं। देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है?

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

- कुमार कृष्णन

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया। वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध109 गांवों के किसा नकर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है। किसानों का मनाना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपजाऊ मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है। बागमती पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे जाम कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था।

उस कमिटी के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कमेटी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई। इस कमिटी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आईआईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक उस कमिटी की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उसका समय बढ़ाया जाता रहा है। ताजा सूचना के अनुसार उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, इस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट आयी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में बागमती में बराज निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नही हो वहां लचका बनाकर या स्लूईश गेट के माध्यम से उपजाऊ पानी खेतों को दिलाने,सुप्पी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के

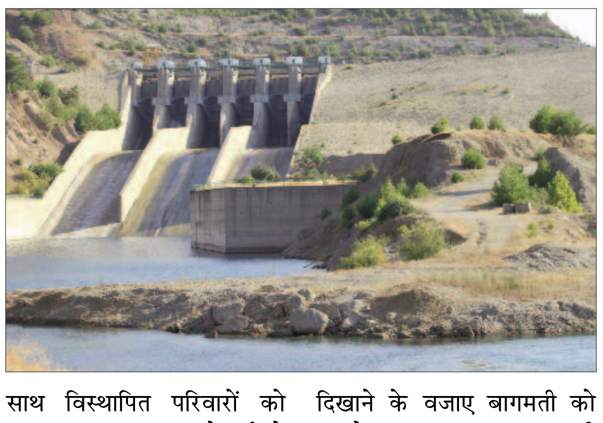

साथ विस्थापित परिवारों को मुआबजा भुगतान कराने,पूर्व से विस्थापित परिवारों को भूमि पर कब्जा दिलाने,2024के बाढ,कटाव तथा तटबंध टूटने से प्रभावितों को उचित अनुदान तथा गृह क्षति मुआबजा भुगतान, जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से नदियों को बचाने,अल्पवर्षा,कटाव रोकने,गाद सुरक्षा हेतू नेपाल से भारत तक सघन वृक्षारोपण के लिए ठोस पहल करने की मांग की गयी। कन्वेशन में पारित दस सूत्री प्रस्ताव को सरकार को भेजा जाएगा।

बागमती नदी पर तटबंध तथा बराज निर्माण के नाम पर1970 के दशक से ही बडा सपना दिखाया जा रहा है।सरकार अब पुनःबराज का सपना दिखा रही है। वहां के लोगों का कहना है कि सरकार सपना दिखाने के वजाए बागमती को बचाने तथा उसका उपजाऊ पानी खेतों को सुलभ कराने पर काम करे।लोगों ने साफ तौर कहा कि तटबंध-बराज नहीं बागमती का पानी चाहिए।

नेपाल सीमा से सटे मेजरगंज प्रखंड के बसबीट्टा बाजार पर पंचायत भवन के सभागार में किसान नेता तथा स्थानीय मुखिया राघवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन-नदी विमर्श मंच के तत्वावधान मेंआयोजित किसान-कन्वेंशन में प्रस्ताव पारित कर सरकार से 10सूत्री मांगो पर अमल की मांग की गई। राघवेन्द्र कुमार सिंह ने तटबंध के भीतर के गांवों तथा मेजरगंज तथा सुप्पी में बागमती की समस्या पर प्रकाश डाला।

कन्वेंशन में पर्यावरणविद तथा नदी जल विशेषज्ञ रामशरण अग्रवाल ने कहा प्रथम सिंचाई मंत्री ने तटबंध का विरोध किया था।गाद निकालना समस्या है परन्तु गाद नही आने पर चिंतन नही किया जा रहा है।नेपाल के पहाड से समतल तक वृक्षारोपण से गाद रूकेगी।बिहार सरकार स्वेत पत्र जारी करे तथा बागमती पर कितनी राशि खर्च हुई उसकी मांग उठनी चाहिए। बडी नदियों के जीवन के लिए छोटी नदियों को भी बचाना होगा।योजना बनाते समय विस्तृत जानकारी संबंधित क्षेत्रों को दिया जाना जरूरी है।उन्होने पर्यावरण तथा जलवायु संकट पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गांधीवादी तथा नदी जल विशेषज्ञ प्रो आनन्द किशोर ने कहा कि फरक्का बराज से गंगा गाद से भरकर दर्जनो जिलों में तबाही मचा रही है।मुख्यमंत्री तथा जल संसाधन मंत्री फरक्का बराज तोडने की बात कह चुके है वहीं कोशी का बीरपुर बराज फेल है फिर बागमती में ढेंग तथा कटौझा में 45 किमी के बीच दो बराज तथा नेपाल से कटौझा 85कि मी में तीन बराज का कोई औचित्य नही है। यहां गाद भरने तथा जल जमाव से हजारों एकड खेत बर्बाद होंगे दर्जनो गांवो का विस्थापन होगा।मेजरगंज,सुप्पी तथा बैरगनिया में कभी भी तटबंध टूटेगा तो कोशी के कुसहा जैसी त्रासदी हो सकती है।वैसे नेपाल के करमहिया में पहले हीं बराज बन जाने से खेती के समय ढेंग बराज को पानी नही मिलेगा।

हमें बराज नही तटबंधों पर जहां गांव नही है वहां जगह-जगह लचका तथा स्लूईश गेट बनाकर खेतों को बागमती का उपजाऊ पानी देना चाहिए। प्रो किशोर ने कहा जहां देश-दुनिया में तटबंध अप्रासंगिक तथा बबार्दी का कारण बना हुआ है यूरोप तथा चीन में तटबंधों को तोडा जा रहा है वहीं बिहार में जन विरोध के बावजूद तटबंध बनाने पर सरकार आमादा है।बागमती कटाव तथा तटबंध टूटने से बर्बाद परिवार मुआबजे के लिए भटक रहे है उन्हे अनुदान के साथ वहां कटाव रोकने में तेजी लानी चाहिए। संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष जलंधर यदुबंशी ने कहा कि बागमती परियोजना के नाम पर सरकार आमजन की तबाही बढा रही है।नदियों को बंचाने की जगह तटबंधो के कारण नदियां गाद से भरकर मृतप्राय हो रही है।सरकार तटबंध-बराज के नाम पर लूट का खेल खेल रही है।यह गंभीर मसला है इसके लिए आमजन को आगे आना होगा। पूर्व प्राचार्य शालिग्राम सिंह ने क्षेत्रीय समस्याओं तथा बागमती की तबाही पर प्रकाश डाला।

महान जीवविज्ञानी- एन कीसलिंग

- संजय गोस्वामी

एन डू एंडरसन, जिन्हें बाद में एन कीस्लिंग के नाम से जाना गया, का जन्म मार्च 29, 1942 में हुआ और उनका पालन-पोषण ओरेगन में हुआ। एन कीसलिंग एक अमेरिकी प्रजनन वैज्ञानिक और बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में मानव पाथेनोजेनिक स्टेम सेल अनुसंधान में शोधकर्ता हैं। वह 1985 से 2012 तक हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के शिक्षण अस्पतालों (ब्रिघम एंड वीमेन हॉस्पिटल, फॉल्कनर हॉस्पिटल, न्यू इंग्लैंड डेकोनेस और बेथ इजराइल डेकोनेस मेडिकल सेंटर) में एसोसिएट प्रोफेसर थे डिस्कवरी वेस्ट की डिस्कवरी की महिलाएं श्रृंखला में हमारा दूसरा प्रोफाइल मूल रूप से ओरेगोनियन डॉ. एन कीस्लिंग द्वारा लिखा गया है। डॉ. कीसलिंग एक प्रजनन जीवविज्ञानी हैं, जिन्होंने अन्य बातों के अलावा बैक्टीरिया पर शोध में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वास्तव में, वह पहले एड्स शोधकर्ताओं में से एक थीं और आज भी देश के अग्रणी प्रजनन जीवविज्ञानियों में से एक हैं। उन्हें सामान्य मानव कोशिकाओं में रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस की खोज के लिए जाना जाता है। जैसे-जैसे हमारा पड़ोस आकार लेना शुरू करेगा, डॉ. कीसलिंग का नाम सड़क के किसी ऐसी महिला के नाम पर रखा गया है, जिसने प्रभाव डाला है जिन्हें ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी बीवर से बायोकेमिस्ट्री और बायोफिज़िक्स में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हैं। विषाणु विज्ञान और प्रजनन जीव विज्ञान के क्षेत्र में उनके शोध और कार्य के परिणामस्वरूप ओरेगन में पहला इन विट्रो फर्टिलाइजेशन क्लिनिक स्थापित हुआ। इसके बाद उन्हें हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने स्टेम सेल और बायोमेडिकल अनुसंधान पर काम किया। वह विज्ञान से प्रेम करते हुए बड़े हुए; उन्होंने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय और वर्जीनिया विश्वविद्यालय से नर्सिंग की डिग्री हासिल की। अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा को मजबूत करना जारी रखते हुए, उन्होंने सेंट्रल वाशिंगटन विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान और कार्बनिक रसायन विज्ञान में डिग्री और पीएच.डी. हासिल की। वह विश्व को अभूतपूर्व और विवादास्पद दोनों प्रकार के अनुसंधान से पुरस्कृत करने के लिए अनुसंधान में अपनी गहरी रुचि प्रदर्शित करते हैं। उनकी पहली और सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक सामान्य मानव कोशिकाओं में रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस की खोज (1979) थी, जो उनके पोस्ट-डॉक्टरल प्रशिक्षण का एक हिस्सा था। उनके निष्कर्षों ने वायरस और कैंसर के बीच संबंध को उजागर किया, पारंपरिक मान्यताओं को चुनौती दी और मानव जीनोम पर रेट्रोवायरस अनुक्रमों के प्रभाव और मानव विकास और शरीरक्रिया विज्ञान पर उनके परिणामों की आगे की जांच के लिए द्वार खोले। वर्तमान में, कीसलिंग को प्रजनन जी विज्ञान और स्टेम सेल अनुसंधान दोनों में अग्रणी के रूप में जाना जाता है। उनके शोध से हमें इस क्षेत्र के प्रमुख क्षेत्रों में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई है। अनुसंधान को आगे बढ़ाने की इच्छा से प्रेरित; राजनीति कारणों से प्रमुख संगठनों द्वारा नजरअंदाज किए जाने के बाद, उन्होंने 1996 में बेडफोर्ड स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की। इस स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संस्था का मुख्य लक्ष्य एचआईवी और रीढ़ की हड्डी की चोटों जैसी पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करना था। कीसलिंग के पूरे करियर के दौरान, वे विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे कि ओरेगन हेल्थ साइंसेज यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से जुड़े रहे हैं। उनके उत्कृष्ट अनुसंधान और नवीन तरीकों ने उन्हें विज्ञान के प्रति अग्रणी अनुसंधान और रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए अनेक सम्मान और पुरस्कार दिलाए हैं, जिनमें यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया स्कूल ऑफ नर्सिंग से पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार भी शामिल है। उनके कार्य का प्रभाव आज भी जारी है, जो विश्व भर के वैज्ञानिकों और शोधकताओं को प्रेरित और शिक्षित कर रहा है। विषाणु विज्ञान, प्रजनन विज्ञान और स्टेम सेल अनुसंधान पर उनका प्रभाव स्थायी रहेगा, जो आने वाले कई वर्षों तक मानव स्वास्थ्य और रोग के बारे में हमारी समझ को आकार देगा। इस क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के अलावा, उन्हें कई क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। डॉ. कीसलिंग ने 100 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित किए हैं और दुनिया भर में 60 से अधिक व्याख्यान दिए हैं। वह सहायक प्रजनन के विशेष कार्यक्रम (एसपीएआर) के संस्थापक भी हैं, जो एचआईवी से प्रभावित लोगों को सुरक्षित और स्वस्थ बच्चे पैदा करने में मदद करता है। एस.पी.ए.आर. बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन का हिस्सा है, जिसकी स्थापना भी उन्होंने की थी और जहां वे शोध कार्य करते हैं। आज के संदर्भ में उनका कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके जैसे कई प्रतिभाशाली लोग नोवेल कोरोनावायरस प्रकोप से निपटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वास्तव में, रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेस परीक्षण प्रक्रियाओं में प्रयुक्त उपकरणों में से एक है। इसके अलावा, उन्होंने बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में एक प्रयोगशाला को नॉवेल कोरोना वायरस के परीक्षण के लिए परिवर्तित करने का नेतृत्व किया। हमने इस महत्वपूर्ण कार्य में सहायता के लिए फाउंडेशन को दान दिया है, और हम डॉ. कीसलिंग को धन्यवा देते हैं कि उन्होंने उदारतापूर्वक हमें साइट पर अपना नाम उपयोग करने की अनुमति दी। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं और हमारे पास अधिक उन्नत और बेहतर प्रौद्योगिकी है, यह महत्वपूर्ण है कि हम पीछे मुड़कर देखें और उन चुनौतियों की सराहना करें जिनसे इन लोगों को अतीत में गुजरना पड़ा था।

कीसलिंग ने को शामिल करने के लिए बेडफोर्ड रिसर्च फाउंडेशन में अपनी प्रयोगशाला गतिविधियों का विस्तार किया। 17 अप्रैल, 2020 को, कीसलिंग ने एक बेटी, जो एक स्थानीय अस्पताल में फ्रंटलाइन कार्यकर्ता है का कोरोनावायरस के लिए परीक्षण सकारात्मक आया था। उपलब्ध परीक्षणों की निरंतर कमी से कीसलिंग ने उन्हें सामुदायिक परीक्षण उपलब्ध कराने के लिए फाउंडेशन के परीक्षण प्रयासों का विस्तार किया। सिंड्रोम कोरोनावायरस 2 कोरोनावायरस का एक प्रकार है जो कारण बनता है फाउंडेशन की वेबसाइट पर एक ब्लॉग पोस्ट में, डॉ. कीसलिंग ने कहा हमारे पास मदद करने के लिए संसाधन थे, और हमें लगा कि इसमें कदम उठाना हमारी ज़िम्मेदारी है। हमें उन लोगों की संख्या के लिए तैयार रहना होगा जिनमें लक्षण दिख रहे हैं या जो वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वालों के संपर्क में आए हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में, हमें यह जानने की जरूरत है कि यह वायरस कहाँ फैल रहा है, और हम अपना काम करने में खुश हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन लोगों और विद्वानों ने आधुनिक वैज्ञानिक विचार और अध्ययन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने जो काम किया है वह पूरी दुनिया में जाना जाता है। उनके विचारों, आविष्कारों और खोजों ने आज लोगों के जीवन को आसान और अधिक सुविधाजनक बना दिया है।

भगवान बनने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

- सनत जैन

दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही महीनो के कार्यकाल में ही सबसे ज्यादा चर्चित और विवादित राष्ट्रपति के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले उन्होंने, जिस तरह से दुनिया के सभी देशों को टैरिफ को लेकर धमकाना शुरू कर दिया था। यूरोपीयन एवं नाटो देशों को टैरिफ एवं सुरक्षा समझौतों को लेकर जिस तरह के अनाप-शनाप बयान और धमकी दी है। उससे अमेरिका के यूरोपीय देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में एक नई अफरा तफरी मची हुई है। सारी दुनिया के देशों में आर्थिक मंदी के साथ-साथ टैरिफ युद्ध को लेकर नया तनाव देखने को मिल रहा है। ट्रम्प के सलाहकार एलन मस्क उनसे एक कदम आगे चल रहे हैं। अमेरिका में लाखों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया है। अप्रवासी नीति को लेकर अमेरिका के राज्यों के साथ ट्रम्प के मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। इसी बीच उन्होंने लेंगिक पहचान और महिला अधिकारों पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा औरत वह होती है, जो बच्चा पैदा कर सकती है। ट्रांसजेंडर को लेकर पहले भी उनके आपत्तिजनक बयान आए थे। अब उन्होंने सीधे-सीधे उन महिलाओं को महिला मानने से इनकार कर दिया है। जो मां बनने में सक्षम नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही के निर्णयों में महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। न्यू जर्सी के एक कार्यक्रम में महिला पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जो महिला बच्चा पैदा नहीं कर सकती है। जो महिला पुरुषों से ज्यादा स्मार्ट है। जो पुरुषों की सफलता में बाधा बनती है। इस तरह के विवादित बयान देकर डोनाल्ड ट्रंप ने अपने आप को ईश्वर के समकक्ष अपने आपको खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी कह दिया है, वह 2029 में तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए संविधान बदलना होगा, तो वह बदल देंगे। ट्रंप, सारी दुनिया के देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसकी विभिन्न प्रतिक्रिया सारी दुनिया के देशों में हो रही है। अमेरिका के अंदर भी उनकी लोकप्रिय में दो माह के अंदर सात फीसदी से ज्यादा की गिरावट आ चुकी है। इतने कम समय में लोकप्रियता में इतनी बड़ी गिरावट किसी भी राष्ट्रपति के बारे में इसके पूर्व देखने को नहीं मिली। इसके बाद भी ट्रंप और एलन मस्क के ऊपर कोई असर नहीं पड़ रहा है। एलन मस्क के निर्णयों के खिलाफ सारे अमेरिका में 227 से ज्यादा स्थानो पर प्रदर्शन हो रहे हैं। एलन मस्क की गाड़ियो को जलाया जा रहा है। उनकी कंपनियों के शेयर अमेरिकी नागरिकों द्वारा बेचे जा रहे हैं। अमेरिका के विभिन्न राज्यों की न्यायपालिका ने ट्रम्प के कई प्रशासनिक आदेशों के पालन पर रोक लगा दी है। ट्रंप जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उसको देखते हुए अमेरिका और बाहर के देशों में उनकी छवि एक मूर्ख, लालची या अहंकारी नेता के रूप में बन रही है। अमेरिका जैसे देश में इसके पहले कोई भी राष्ट्रपति इस तरह से विवादित नहीं रहा।

आज का राशिफल

मेष दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपकी जो भी इच्छाएं हैं, वे पूरी होंगी और आपको किस्मत का साथ मिलेगा।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपको हर कार्य में लाभ और सफलता मिलेगी।

वृषभ आज लाभ और तरक्की का दिन है। कार्यक्षेत्र में किसी अधिकारी या व्यापारी से अनबन हो सकती है।

वृश्चिक मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन शाम तक अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन आज दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। कारोबार में आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु दिन सफलता और तरक्की से भरा रहेगा। आपको अपने आसपास के वातावरण से लाभ होगा।

कर्क आज सफलता मिलेगी। तरक्की के योग हैं और आपको भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर आपको तरक्की मिलेगी। घर में आपकी पत्नी या बच्चे की तबीयत खराब हो सकती है।

सिंह आज आज का दिन भाग्यशाली है। आपको सफलता मिलेगी और आपका दिन शुभ होगा।

कुंभ आज करियर में लाभ होगा। आपको किसी बड़ी सफलता की खुशी मिलेगी।

कन्या आपके लिए उत्तम संपत्ति के योग बन रहे हैं। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन आज दिन बच्चों की तरफ से खुशियां लेकर आएगा और आप उनके करियर को लेकर खुश रहेंगे।

विशेष

समय बदलते ही इफ्तार पार्टी की रौनक बढ़ी

केंद्र में 2014 मे मोदी सरकार बनी। उसके बाद से इफ्तार पार्टी का चलन धीरे-धीरे कम होता चला गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई इफ्तार पार्टी में जाते थे।वह जालीदार टोपी भी लगा लेते थे। भाजपा के नेता भी इफ्तार पार्टियों में जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद, विशेष रूप से भाजपा के नेताओं ने इफ्तार पार्टी मे जाना बंद कर दिया था। भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के बीच में इफ्तार पार्टी का चलन खत्म हो गया था। बलिहारी हो, बिहार मे विधानसभा चुनाव हैं। बलिहारी हो, केंद्र में अल्पमत की सरकार है। समय बदलते ही एक बार फिर भाजपा में इफ्तार पार्टी की रौनक लौटने लगी है। दिल्ली और पटना में भाजपा के नेता इफ्तार पार्टी की रौनक बना रहे हैं। भाजपा नेता अब इफ्तार पार्टी का आयोजन कर रहे हैं।अब तो प्रधानमंत्री की ओर से मुसलमान को ईद की भेंट बिहार में दी जा रही है। समय बदलता है, तो सब कुछ बदल जाता है। इफ्तार पार्टी के मामले में यही देखने को मिल रहा है। देखते ही देखते भाजपा बदल गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार अपनी मातृ संस्था केशव कुंज नागपुर पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत की तारीख की।प्रित संगठन संघ की तारीफ में कसीदे गढ़े। स्मृति मंदिर पहुंचकर पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद लगे हाथ भीमराव अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि देने दीक्षा भूमि पहुंच गए। प्रधानमंत्री मोदी की नागपुर यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं।

कार्टून कोना

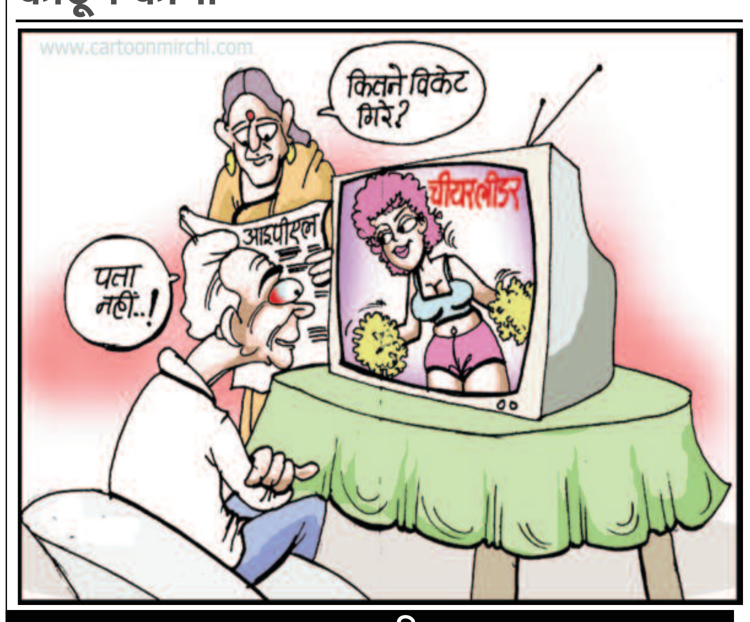

आज का इतिहास

1671 अकबर द्वारा समाप्त किया गया जजिया कर औरंगजेब ने पुनः लागू किया. 1872 अमेरिकी आविष्कारक एफ.बी. मोर्स का निधन. 1915 स्विटरजरलैंड और इटली को जोड़ने वाली रेल सुरंग का उद्घाटन, 1933 क्रिकेट के प्रसिद्ध खिलाड़ी रणजीत सिंह का निधन. 1942 कांग्रेस ने क्रिप्स प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया. 1947 सुरक्षा परिषद ने जापान के कब्जे वाले प्रशांत सागर द्वीपों के लिए अमेरिका को न्यासी नियुक्त किया . 1967 फ्रांसीसी समुदाय के तहत मेडागास्कर स्वतंत्र हुआ. 1974 असम के भीतर ही मेघालय स्वायत्त पहाड़ी राज्य बना. 1996 रूस और बेलारूस ने राजनीतिक और आर्थिक सहयोग समझोता किया. 1998 कोंकण रेलमार्ग से हजरत निजामुद्दीन से तिरुवनंतपुरम तक राजधानी एक्सप्रेस की शुरूवात.

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

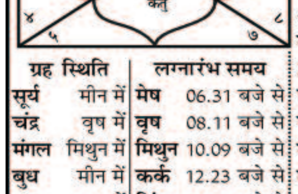

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.31 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.11 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.09 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.23 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.39 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.51 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.01 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.16 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.32 बजे से
राहुकाल		मकर	01.37 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	03.24 बजे से
बजे तक		मीन	04.56 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 23.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 08.50 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 06.07 बजे तदनन्तर आयुष्मान 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 13.08 बजे तदनन्तर बालव 23.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872302
जूलियन दिन 2460767.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 03
विशेष लक्ष्मी पंचमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अंटार्कटिका में बर्फ के नीचे मिली ये हैरान करने वाली चीज, एलियन है या कुछ और...

दुनिया में एलियंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर एलियंस और इलुमिनाती को लेकर कई तरह थ्योरी वायरल हुई हैं। अब इस बीच एक हैरान करने वाली खोज ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंटार्कटिक में यह खोज हुई थी, जिसमें एक पिरामिड की तरह एक पहाड़ देखा गया था। कुछ लोगों ने इसे एलियंस से जोड़ था, तो कुछ लोगों का कहना था कि यह प्राचीन सभ्यता की निशानी है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बर्फ का पिरामिड पूरी तरह से प्राकृतिक है। इसकी खोज अंटार्कटिक की एल्सवर्थ माउंटेन रेंज के दक्षिणी इलाके में सैटेलाइट की तस्वीरों से की गई थी। यह पिरामिड के अकारा है, लेकिन इसके आधार पर द्रव्यमान सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी पर है। यह गीजा में मिस्र के पिरामिड से बिल्कुल विपरीत है। हालांकि, पिरामिड को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए गए।

कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि प्राचीन सभ्यता और रहस्यमयी सोसाइटी इलुमिनाती से जुड़ा है। कई लोगों ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल में अंटार्कटिक किसी समय वर्षावनों से भरा रहा होगा, जिसकी वजह से यहां ऐसी संरचनाएं अस्तित्व में आई होंगी। लेकिन, प्रोफेसर एरिक रिग्नॉट के नेतृत्व वाली टीम में शामिल भूविज्ञान विशेषज्ञों ने इस तरह की अटकलों की खारिज कर दिया था। बताया गया कि पिरामिड की तरह शेप के पहाड़ के पीछे की वजह ग्लेशियरों हैं। इसके साथ यह भी कहा गया है कि यह पूरी दुनिया के अलग-अलग स्थानों पर देखी जाने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इन सभी के दावों के बाद भी अंटार्कटिक में मिले पिरामिड की शेप के पहाड़ को रोचक माना जाता है। इससे पता चलता है कि दुनिया में कितने आश्चर्य हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई ऐसी चीजों को एलियन या फिर इलुमिनाती से जोड़कर देखा गया है। हालांकि कभी इन दोनों चीजों से जुड़े दावों की पुष्टि नहीं हो पाती है।

दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले टायसियर की एक आंख उसके दिमाग के बराबर है. वो आंखों की पुतली को घुमा नहीं सकता; अगर उसे अपने आस-पास की किसी चीज़ को देखना है तो उसे अपना पूरा सिर उस तरफ़ घुमाना पड़ता है. लेकिन टारसियर की ये डरावनी आंखें ही उसकी ख़ासियत भी है, क्योंकि वह इनसे घोर अंधेरे में भी बड़ी आसानी से देख सकता है. चाहे कितना भी अंधेरा क्यों ना हो कीड़े-मकोड़े और छोटे परिंदे टारसियर की नज़र से बच नहीं सकते. उनकी आंखों की बनावट ऐसी है कि वो रोशनी के हर आखिरी फ़ोटोन को इकट्ठा कर सकता है. उनकी आंखें रात में देख सकने वाले किसी नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं.

नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं टारसियर की आंखें

टार्सियर अब फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया के दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपों तक सीमित हैं। वहाँ 10 टार्सियर प्रजातियाँ और चार उप-प्रजातियाँ हैं, जो बंदरों और वानरों के एक सहयोगी समूह से संबंधित हैं। विलुप्त होने से कुछ हद तक सभी टार्सियर प्रजातियों को खतरा है। किसी भी अन्य जानवर की तरह घूरने की क्षमता, अत्यधिक लंबी उंगलियां, मखमली मुलायम फर और झपट्टा मारकर कीड़े या यहां तक कि पक्षियों को पकड़ने की क्षमता के साथ, वे एक बार फिर देखने लायक हैं। यहां कुछ चीजें हैं जो टार्सियर को एक शानदार जानवर बनाती हैं।

टार्सियर्स की आंखें बहुत बड़ी होती हैं

किसी भी स्तनपायी के शरीर के आकार की तुलना में टार्सियर की आंखें सबसे बड़ी होती हैं। प्रत्येक नेत्रगोलक का व्यास लगभग 16 मिलीमीटर है, जो टार्सियर के पूरे मस्तिष्क जितना बड़ा है। आंखें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें घुमाया नहीं जा सकता, इसके बजाय, टार्सियर उल्लू की तरह अपनी गर्दन को किसी भी दिशा में पूरे 180 डिग्री तक मोड़ सकते हैं। वे शिकार के लिए इधर-उधर घूमने के बजाय चुपचाप शिकार के आने का इंतजार करने की इस क्षमता का उपयोग करते हैं। उनकी आँखों का आकार संभवतः टेपेटम नामक परावर्तक परत की अनुपस्थिति से संबंधित है जो आम तौर पर अन्य रात्रिचर जानवरों की आँखों में पाई जाती है। 2 बच्चे खुली आँखों के साथ पैदा होते हैं, जन्म के एक घंटे के भीतर पेड़ों पर चढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

वे पूर्णतः मांसाहारी हैं

टार्सियर एकमात्र पूर्णतः मांसाहारी प्राइमेट हैं। जबकि विशिष्ट आहार प्रजातियों के साथ भिन्न होता है, उन सभी में एक चीज समान होती है- वे किसी भी प्रकार का पौधा नहीं खाते हैं। वे कीड़ों, छिपकलियों और सांपों जैसे सरीसृपों, मेंढकों, पक्षियों और यहां तक कि चमगादड़ों पर भी दावत देते हैं। वे गंभीर घात लगाकर हमला करने वाले शिकारी हैं, चुपचाप शिकार के पास आने का इंतजार करते हैं - और यहां तक कि हवा से पक्षियों और चमगादड़ों को भी झपट सकते हैं। क्षेत्रीय कथाओं पर आधारित पुराने ग्रंथों में बताया गया है कि टार्सियर चारकोल खाते हैं। यह रिपोर्ट असत्य है; इसके बजाय, टार्सियर कीड़ों तक पहुंचने के लिए लकड़ी का कोयला खोदते हैं।

उनके उपांग लम्बे हैं

टार्सियर्स को उनका नाम उनके पैरों में असाधारण रूप से लम्बी टारसस हड्डियों के कारण मिला है। जबकि टार्सियर का सिर और शरीर 4 से 6 इंच लंबा होता है, उनके पिछले पैर और पैर दोगुने लंबे होते हैं। उनके पास एक लंबी, आमतौर पर बाल रहित पूंछ होती है जो अतिरिक्त 8 या 9 इंच जोड़ती है। पेड़ की शाखाओं को पकड़ने में मदद करने के लिए उनकी उंगलियां अतिरिक्त लंबी होती हैं, और उनकी तीसरी उंगली उनकी पूरी ऊपरी भुजा जितनी लंबी होती है। उनके अंकों की युक्तियाँ डिस्क जैसे चिपकने वाले पैड में विस्तारित हो सकती हैं जो उन्हें पकड़ने में सहायता करती हैं। 2 यह अनूठी शारीरिक रचना टार्सियर को ऊर्ध्वाधर चिपकने वाला और चढ़ने वाला-और कूदने वाला बनने की अनुमति देती है। वे एक छलांग में अपने शरीर की लंबाई से 40 गुना अधिक छलांग लगा सकते हैं।

वे जमीन के करीब रहते हैं

टार्सियर आमतौर पर जमीन से 3 से 6.5 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। ये जानवर घने, अंधेरे वनस्पति वाले क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं। उन्हें विशेष रूप से सोने के लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षों के आवरण की आवश्यकता होती है। वे दिन में किसी खड़ी पेड़ की शाखा या बांस से चिपक कर सोते हैं। वर्षावन की घनी वनस्पति और वन तल के करीब रहने से कीड़ों और अन्य शिकार तक अधिक पहुंच मिलती है। यह उनकी संवेदनशील आँखों को भी धूप से बचाता है। वे पुराने विकास और द्वितीयक वनों के साथ-साथ कम झाड़ीदार वनस्पतियों में भी पाए जा सकते हैं।

वे कैद में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते

निवास स्थान और शिकार दोनों में टार्सियर की विशिष्ट ज़रूरतें बंदी प्रजनन कार्यक्रमों को लगभग असंभव बना देती हैं, और कैद में रखे गए लगभग 50% टार्सियर ही जीवित रहते हैं। जो टार्सियर तनावग्रस्त हैं या बहुत छोटे पिंजरों में हैं उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति होती है। विशेष तनाव के कारक हैं प्रकाश, शोर, अपने निवास स्थान में मनुष्य और छुआ जाना। वे अपनी पतली खोपड़ी को पेड़ों, फर्श या पिंजरे की दीवारों से टकराएंगे। पर्यावास संरक्षण ही उनकी एकमात्र आशा है। कैद में जीवन प्रत्याशा जंगली में 24 साल की तुलना में घटकर दो से 12 साल रह जाती है।

तीन प्रकार के होते हैं टार्सियर

टार्सियर तीन प्रकार के होते हैं: पूर्वी, पश्चिमी और फिलीपीन। पूर्वी टार्सियर सुलावेसी और आसपास के द्वीपों में निवास करते हैं, फिलीपीन टार्सियर फिलीपींस तक ही सीमित हैं और उनकी पूरी तरह से गंजी पूंछ और बाल रहित पैर हैं, जबकि ब्रुनेई, बोर्नियो, इंडोनेशिया और मलेशिया पश्चिमी टार्सियर की आबादी की मेजबानी करते हैं, जिनकी पूंछ अंत में गुच्छों के साथ होती है। फिलीपीन और पश्चिमी टार्सियर मुख्य रूप से तराई प्रजातियाँ हैं। पिग्मी प्रजाति को छोड़कर, पूर्वी टार्सियर कई आवासों और ऊंचाईयों में फैले हुए हैं, जो केवल 1,600 फीट से ऊपर पाई जाती है। ऐसा माना जाता था कि पिग्मी किस्म विलुप्त हो गई है जब इसे 1921 और 2008 के बीच नहीं देखा गया था।

टाइम ट्रेवल का रहस्य, क्या सच में समय से आगे जाना संभव है?

अक्सर हम सभी फिल्मों में टाइम ट्रेवल के बारे में देखते आ रहे हैं। कई बार ऐसी बहुत सी कहानी भी होती है, जब उसमें टाइम ट्रेवल के कांसेप्ट को सुनने का मौका मिलता है। इसका मतलब है कि समय से आगे जाकर या फिर समय से पीछे जाकर यात्रा करना। कई फिल्मों में चाहे वो हॉलीवुड हो या बॉलीवुड हो, ऐसा दिखाया गया है कि इसके लिए एक मशीन बनाई जाती है जो समय की गति को मोड़ देता है। वैसे तो इसे लेकर हर कोई एक्साइड रहता है, क्योंकि हर कोई अपने पास्ट में जाकर कुछ ना कुछ चीजों को बदलने का सोचता है, तो कई बार लोग अपने भविष्य में जाकर अपने साथ होने वाली चीजों को देखना चाहते हैं।

क्या है टाइम ट्रेवल?

बचपन से ही जब हम टाइम ट्रेवल के बारे में देखे या सुनते हैं, तो मन में ऐसी बात आती है कि काश हमें भी टाइम ट्रेवल से यात्रा करने का मौका मिलता। इसके लिए वह तरह-तरह के सपने भी देखने लगते हैं। खासकर नव युवकों में यह उत्सुकता होती है कि वह अपने भविष्य में जाकर आने वाले समय को जान सके। वहीं, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने अतीतकाल में जाकर अपनी चीजों को बदलना चाहते हैं, लेकिन बाद में वह ऐसा सोच लेते हैं कि यह सब बस कहने की बात होती है, क्योंकि समय अपनी गति से चलता ही रहता है। उसे कोई बदल नहीं सकता।

जानें कितनी है सच्चाई

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा एक ग्रुप है, जिसमें ऐसे ही फोटोस और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि टाइम ट्रेवल असल में होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है इसके बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन जानना हर कोई चाहता है। इसके लिए लोग तरह-तरह की न्यूज सोर्स भी तलाशते हैं, जब वह जानना चाहते है कि क्या यह सच है।

यात्रा करना संभव या नहीं?

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर यह चीज देखने को मिलती है कि टाइम ट्रेवल को लेकर तरह-तरह के वीडियो शेयर किए जाते हैं और इसे लेकर रोचक तथ्य भी बताए जाते हैं, जिसे लोग बड़े रोमांचित होकर सुनते भी है, लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा फिलहाल ऐसी कोई बात साबित नहीं हुई है कि समय के साथ यात्रा करना संभव है। यह केवल कहानियों में ही देखने को मिलती है कि लोग यात्रा करके समय से पहले या समय के बाद चले जा रहे है, लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता।

यहां पर मुफ्त में जमीन और घर दे रही है सरकार फिर भी कोई बसना नहीं चाहता

हर किसी का सपना होता है कि एक अच्छी जगह उसका अपना घर हो। घर ऐसी जगह हो, जहां पर शांति के साथ सभी सुख सुविधाएं मौजूद हों। घर बनाने के लिए एक आम आदमी अपने जीवन भर की कमाई का लगा देता है। अगर आपको कोई घर बनाने के लिए मुफ्त में जमीन दे, तो क्या इस ऑफर को छोड़ देंगे? लोगों को एक जगह मुफ्त में रहने के लिए जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं लेना चाहता है। जानते है कि आखिर इसकी वजह क्या है और जगह कहां पर है?

द्वीपों पर लोग शांति की तलाश में जरूर जाते हैं, लेकिन यहां बसना नहीं चाहते हैं। अगर आपको पता चले कि ऐसे स्थान पर मुफ्त में जमीन और घर मिल रहा है, तो आप क्या करेंगे? इसके साथ ही आपको पता चले कि ऐसी जगह पर फ्री में जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं चाहता है, तो आपको हैरानी होगी।

वर्तमान समय में कुछ देश बढ़ती जनसंख्या से परेशान हैं, तो ऐसे समय में एक जगह पर लोगों को बुलाकर बसाया जा रहा है, लेकिन क्या आप इस जगह पर जाना चाहेंगे? वह जगह पिटकैर्न आइलैंड है। यहां की सरकार जनसंख्या को लेकर परेशान है। सरकार की तरफ से यहां पर आकर बसने वाले लोगों को मुफ्त में जमीन में दी जा रही है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर साल 2015 से लेकर अभी तक सिर्फ एक ही आवेदन पत्र मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दुनिया का सबसे छोटा समुदाय है, जहां पर सिर्फ 50 लोग रहते हैं। यहां पर सिर्फ दो बच्चे हैं और यहां कोई स्कूल भी नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। यहां शहरों की तरफ शोरगुल नहीं है और यहां पर लोग अपनी छोटी दुनिया में खुश रहते हैं।

यहां पर नहीं हैं ये सुविधाएं

इस द्वीप पर रहने वाली एक 21 वर्षीय टोरिका क्रिश्चियन का कहना है कि सिर्फ मील लंबे और 1 मील चौड़ा यह आइलैंड दुनिया से अलग है। यहां पर कोई एयरपोर्ट नहीं है। यहां पर लोग सप्लाई वाले जहाजों से यात्रा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सप्लाई वाला जहां यहां पर हफ्ते में सिर्फ दो दिन आता है। यह जहाज पिटकैर्न आइलैंड से गैंबियर आइलैंड तक चलता है।

घूमने वाले लोग भी यहां इसी जहाज से आते हैं। साल 1978 में इस आइलैंड को बसाया गया था। यहां के लोगों की कमाई आइलैंड के स्टैंप, मॉडल शिप्स और फिश वॉल से कमाई करते हैं। यहां पर जनरल स्टोर, जिम, मेडिकल सेंटर, लाइब्रेरी, टूरिज्म ऑफिस और बेसिक सुविधाएं भी हैं। हालांकि यहां पर शांति होने की वजह से लोग यहां पर बसना नहीं चाहते हैं।

नए वित्त साल के पहले दिन आसमान पर पहुंचा सोना, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनेंशियल ईयर के पहले दिन सोना एक बार फिर ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सोने के जून वायदा अनुबंध में 677 रुपये की बढ़त हुई और सोने का भाव 90,797 रुपये पर पहुँच गया। यह सोने का अब तक का सबसे ऊंचा भाव है। ट्रेड वॉर को लेकर अनिश्चितता के कारण सोने के भाव में यह तेजी आई है। चांदी के मई वायदा अनुबंध में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। लेकिन यह 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के ऊपर बना रहा। आज यह 1,00,791 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला और इसमें 726 रुपये यानी 0.73प्रतिशत की तेजी आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना पहली बार 3,150 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गया। इस साल सोने की कीमत में 20 फीसदी तेजी आई है।

इससे पहले सोमवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोना और चांदी दोनों में मिला-जुला रुख रहा। सोने का जून वायदा अनुबंध 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 90,717 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी का मई वायदा अनुबंध 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,00,065 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति के ट्रेड टैरिफ से दुनिया भर में आर्थिक विकास की संभावनाओं पर असर पड़ रहा है। इसलिए लोग सुरक्षित निवेश के तौर पर सोना खरीद रहे हैं।

टैरिफ का डर- जानकारों का कहना है कि ग्लोबल इक्विटी मार्केट टैरिफ के डर से जूझ रहे हैं। रूस-यूक्रेन के बीच भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की ईरान को धमकी से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ रहा है। इससे सोने की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। इस सप्ताह डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी ट्रेड टैरिफ के डर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एमसीएक्स

पर सोने के लिए 90,350-90,000 रुपये पर सपोर्ट और 91,040-91,400 रुपये पर रेसिसटेंस है। चांदी के लिए 99,450-98,800 रुपये पर सपोर्ट और 1,00,800-1,01,650 रुपये पर रेसिसटेंस है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोने को 90,350 रुपये के आसपास खरीदें। इसके लिए 89,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 91,300 रुपये का टारगेट रखें। इसी तरह उन्होंने चांदी को 99,500 रुपये के आसपास खरीदने का भी सुझाव दिया है।इसके लिए 98,800 रुपये का स्टॉप लॉस रखें और 1,01,000 रुपये का टारगेट रखें।

सोने ने इस साल हर तीसरे दिन नई ऊंचाई को छुआ

देशों के बीच तनाव और टैरिफ के चलते सोने ने इस साल के महज 90 दिनों में 12 फीसदी मुनाफा दिया है। एक जनवरी को 10 ग्राम सोने का भाव 79,390 रुपये था जो अब 92,150 रुपये हो गया है। इस बहुमूल्य धातु ने हर तीसरे कारोबारी सत्र में नई ऊंचाई छुई है। आंकड़ों के मुताबिक, लगातार बारह महीने के आधार पर सोना लगभग 37 फीसदी बढ़कर सोमवार को 3,106 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। सोने ने 2025 में जो चौंकाने वाली उपलब्धि हासिल की है, वह यह कि महंगे होने के बावजूद इसकी चमक फीकी नहीं पड़ी है। इसमें आगे भी अच्छा खासा रिटर्न देने की गुंजाइश बनी है। सोने ने पिछले कैलेंडर वर्ष में 30 फीसदी का मुनाफा दिया था। इस साल यह उससे भी अधिक फायदा देने की स्थिति में फिलहाल दिख रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि केंद्रीय बैंक और निवेश में सुरक्षा चाहने वाले लगातार इस पीली धातु को खरीद रहे हैं। पिछले 30 महीने में ही इसकी कीमत दोगुनी हो गई है। विश्लेषकों के मुताबिक, सोने के मूल्य में भारी उछाल आने की उम्मीद है।

खुदरा के साथ संस्थागत खरीदी में भी आई तेजी- सोने की कीमतें बढ़ने की वजह कई हैं। एक तो देशों के बीच तनाव और दूसरे खुदरा के साथ संस्थागत स्तर पर सोने की खरीदी जमकर हो रही है। सोने को महंगाई से बचाव के रूप में प्रमुख साधन माना जाता है।

सरकारी कंपनी बनी वोडाफोन आइडिया !

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की तीसरी बड़ी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया का शेयर आज मार्केट खुलते ही अपर सर्किट में चला गया। बीएसई पर यह सुबह 10 प्रतिशत तेजी के साथ बीएसई पर 7.49 रुपये पर पहुंच गया। सरकार ने कंपनी के 36,950 करोड़ रुपये के बकाया स्पेक्ट्रम पेमेंट को इक्विटी में बदल दिया है। इससे कंपनी पर कर्ज का बोझ कम होगा और वित्तीय हालत सुधरेगी। इस कदम से वोडाफोन आइडिया में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशत से बढ़कर 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। वहीं, प्राइवेट प्रमोटर्स वोडाफोन पीएलसी और आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिस्सेदारी कम हो जाएगी। वोडाफोन पीएलसी

की हिस्सेदारी 16.1 प्रतिशत और आदित्य बिड़ला ग्रुप की हिस्सेदारी 9.4 प्रतिशत रह जाएगी। हालांकि, कंपनी का कामकाज प्रमोटर्स के हाथ में रहेगा।

सरकार के इस कदम से वोडाफोन को संजीवनी मिलेगी। साल 2023 के बाद यह दूसरा मौका है जब सरकार ने वोडाफोन में अपनी देनदारी को इक्विटी में बदला है। इससे वोडाफोन आइडिया को कैश फ्लो में मदद मिलेगी। सितंबर में भुगतान पर लगी रोक हटने के बाद कंपनी को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे लेकिन अब उसे राहत मिलेगी। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वोडाफोन आइडियो को एफवाय26 की दूसरी छमाही में 29,000 करोड़ रुपये का स्पेक्ट्रम और ॠ बकाया चुकाना है। अब यह कर्ज घटकर 11,000 करोड़ रुपये हो जाएगा।

क्या कह रहे हैं ब्रोकरेज

दिसंबर में खत्म हुए क्वार्टर में वोडाफोन आइडिया के पास 12,090 करोड़ रुपये थे। कंपनी ने ने एक फाइलिंग में कहा है कि संचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में टेलीकॉम सेक्टर के लिए घोषित सुधारों के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी की रकम को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है। यह इक्विटी सरकार को जारी की जाएगी। इसका मतलब है कि सरकार अब कंपनी में हिस्सेदार बन जाएगी। इस खबर के बाद ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सिटी रिसर्च ने वोडाफोन आइडिया पर बाय/हाई रिस्क रेटिंग बरकरार रखी है। उनका कहना है कि सरकार के कंपनी में 48.99 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने से कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत होगी। उन्होंने शेयर का टारगेट प्राइस 12 रुपये रखा है। इसका मतलब है कि शेयर में 76 प्रतिशत तक का उछाल आ सकता है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सरकार की हिस्सेदारी बढ़ने से कंपनी को फिलहाल वित्तीय मदद मिलेगी। लेकिन कंपनी को अभी भी नया पैसा जुटाने और 4ॠ और 5ॠ नेटवर्क बढ़ाने में दिक्कतें आएंगी।

कहां तक जाएगी कीमत

ट्रेंडलाइन के डेटा के अनुसार वोडाफोन आइडिया के शेयर का औसत टारगेट प्राइस 8 रुपये है। इसका मतलब है कि शेयर में 18 प्रतिशत तक का उछाल आ सकता है। 22 एनालिस्ट्स ने इस शेयर को सेल करने की सलाह दी है। टेक्निकली देखें तो स्टॉक का रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 35.7 है। यह न्यूट्रल कंडीशन दिखा रहा है। ॠ –0.3 है, जो सेंटर लाइन से नीचे है। यह एक नेगेटिव संकेत है। यह स्टॉक अपने 5–दिन, 10–दिन, 20–दिन, 30–दिन, 50–दिन, 100–दिन, 150–दिन और 200–दिन के सिंपल मूविंग एवरेज से नीचे कारोबार कर रहा है। एसएमए एक तरह का एवरेज होता है जो स्टॉक की कीमत को ट्रैक करता है।

सस्ता हुआ गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 का पहला दिन शुरू हो रहा है। आज अप्रैल महीने की पहली तारीख है। हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम एलपीजी गैस के सिलेंडर की कीमतों में समीक्षा करती हैं। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल से मिली सूचना के मुताबिक आज से कार्मर्शियल गैस सिलेंडर यानी 19 किलो वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में थोड़ी कमी की गई है। यह कमी 41 रुपये प्रति सिलेंडर की है।

कितना रह गया रेट

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से मिली जानकारी के अनुसार आज यानी एक अप्रैल 2025 से 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1762 रुपये का रह गया है। इससे पहले यानी बीते मार्च के महीने में इसकी कीमत 1803 रुपये थी। इसी साल फरवरी में यह सिलेंडर 1797 रुपये में मिल रहा था।

अन्य महानगरों में क्या है कीमत- आज से कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1868.50 रुपये हो गया है। इससे पहले वहां इसकी कीमत 1913 रुपये थी। इसी प्रकार मुंबई में कामर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1713.50 रुपये हो गई है। बीते मार्च में यह 1755.50 रुपये की थी। तमिलनाडु के चेन्नई में इसकी कीमत घट कर 1921.50 रुपये हो गई है। बीते मार्च में इसकी कीमत 1965 रुपये थी।

रसोई गैस सिलेंडर के क्या हाल हैं

आम घरों में इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर कहा जाता है। इसमें 14 किलो गैस होता है। आज इंडियन ऑयल समेत सभी पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली में इस सिलेंडर का रेट 803 रुपये है। कोलकाता में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 829 और मुंबई में 802.50 है। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में इसकी कीमत 818.50 रुपये है।

शेयर मार्केट में अगले महीने छुट्टियों की भरमार

11 दिन बंद रहेंगे बाजार

मुंबई, एजेंसी। कल यानी मंगलवार से अप्रैल का महीना शुरू हो रहा है इस महीने शेयर बाजार में छुट्टियों की भरमार रहेगी। अप्रैल 2025 में कुल मिलाकर 11 दिन बाजार शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसमें सप्ताहांत (शनिवार और रविवार) की छुट्टी और सार्वजनिक अवकाश शामिल हैं। छुट्टियों के कारण निवेशकों और ट्रेडर्स को ट्रेडिंग करने में दिक्कत होगी।

किस-किस दिन बंद रहेंगे बाजार

एनएसई की हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, बीएसई और एनएसई 10 अप्रैल, 14 अप्रैल और 18 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश की वजह से बंद रहेंगे। दरअसल, अगले महीने दूसरे गुरुवार यानी 10 तारीख को महावीर जयंती है। इस वजह से शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके बाद दूसरे सोमवार, 14 अप्रैल को दिन अंबेडकर जयंती है। उस वजह से शेयर बाजार बंद रहेंगे। इसके बाद महीने के तीसरे शुक्रवार, 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे की वजह से शेयर बाजार में अवकाश है। इसका मतलब है कि इन दिनों शेयर बाजार में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी।

आम दिनों में क्या है ट्रेडिंग टाइम

अब बात करते हैं कि आम दिनों में बाजार कब खुलता और बंद होता है। इक्विटी सेगमेंट में ट्रेडिंग हफ्ते में सोमवार से शुक्रवार को होती है।

प्री-ओपन सेशन

इसमें ऑर्डर डालने और बदलने का समय सुबह 9 बजे से 9 बजे तक होता है। यानी, आप सुबह 9 बजे से 9 बजकर 8 मिनट तक ऑर्डर दे सकते हैं और उसमें बदलाव कर सकते हैं।

क्लोजिंग सेशन- यह सेशन दोपहर 3:40 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच होता है।

ब्लॉक डील सेशन: इसमें दो विंडो होती हैं। पहली विंडो सुबह 8:45 बजे से 9:00 बजे तक और दूसरी विंडो दोपहर 2:05 बजे से 2:20 बजे तक खुली रहती है।

कंपनी के हाथ लगा 2 बड़ा ऑर्डर

शेयरों पर बढ़ा निवेशकों का विश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी। चार दिन की गिरावट के बाद रिट्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में आज तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में आज 3 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में आज उछाल के पीछे की वजह नया ऑर्डर है। बता दें, कंपनी को ऑयल इंडिया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी से 312.75 करोड़ रुपये का काम मिला है।

शेयर बाजार में कैसा रहा है प्रदर्शन

बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों कीमतों में 11 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, इसके बाद भी 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 22 प्रतिशत टूटा है। एक साल में रिट्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में करीब 3 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का मार्केट कैप 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। कंपनी का 52 वीक हाई 398.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 192.30 रुपये है।

बीएसई में कंपनी के शेयर 225.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी का इंट्रा डे हाई 231.70 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। इसके बाद कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली है।

क्या है वर्क ऑर्डर डीटेल्स

एक्सचेंज को दी जानकारी में रिट्स लिमिटेड ने कहा है कि उन्हें ऑयल इंडिया से 157.25 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी को वर्कमेंन हाउसिंग कॉम्पलेक्स बनाने का काम मिला है। इस काम को कंपनी को 36 महीने में पूरा करना है। इस वर्क ऑर्डर की वैल्यू 155.50 करोड़ रुपये का है। बता दें, कंपनी को इस काम 24 महीने में पूरा करना है। इससे पहले 6 मार्च को कंपनी को 27.90 करोड़ रुपये का काम मिला है।

लगातार गिर रहा मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर

15 पर आ गया भाव, आपका है दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाले एक पेनी स्टॉक में पिछले कुछ सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। साल 2020 से यह स्टॉक गिरावट की ओर है। पिछले एक साल में स्टॉक 52-सप्ताह के हाई 30

रुपये से 50 प्रतिशत तक गिर चुका है। हम बात कर रहे हैं- मुकेश अंबानी की कपड़ा कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों की। बता दें कि इस कंपनी को 2019 में कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के माध्यम से रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा अधिग्रहित किया गया था।

कंपनी के शेयरों के साल

शुक्रवार (28 मार्च) के कारोबारी सत्र में एनएसई पर इसके शेयर लाल निशान में 15.03 रुपये पर बंद हुए थे। एक साल में इस पेनी स्टॉक ने 4 अप्रैल, 2024 को छुए गए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 30 रुपये से 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। साल 2019 में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा अधिग्रहण के बाद आलोक इंडस्ट्रीज ने ध्यान आकर्षित किया और इसके शेयर 3 जुलाई, 2020 को एनएसई पर 58.50 रुपये के लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गए। शिखर से काउंटर लगभग 300 प्रतिशत गिर गया है। ट्रेंडलाइन डेटा के अनुसार, प्रमोटर रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास कंपनी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी (1,986,533,333 शेयर) है, जबकि जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के पास कंपनी में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी (1,737,311,844 शेयर) है।

रतन टाटा की वसीयत: दान में दे दिया अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान में दिया है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 3,800 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें टाटा सन्स के शेयर और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। इसका अधिकांश हिस्सा रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को दान में दिया गया है, जो समाज सेवा के काम आएगा।

टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी को भी मिली टाटा की दौलत- ईटी की खबर के मुताबिक उनकी अन्य संपत्ति (लगभग 800 करोड़ रुपये), जिसमें बैंक एफडी, वित्तीय साधन, घड़ियां और पेंटिंग्स शामिल हैं, का एक-तिहाई हिस्सा उनकी सौतेली बहनों शिरीन जेजीभाय और डीना जेजीभाय को मिलेगा। एक-तिहाई हिस्सा मोहिनी एम दत्ता को मिलेगा, जो टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी थीं और रतन टाटा के करीबी थीं। रतन टाटा की वसीयत के मुताबिक उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान में दिया है। उनकी कुल संपत्ति लगभग 3,800 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसमें टाटा सन्स के शेयर और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। इसका अधिकांश हिस्सा रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को दान में दिया गया है, जो समाज सेवा के काम आएगा।

टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी को भी मिली टाटा की दौलत- उनकी अन्य संपत्ति (लगभग 800 करोड़ रुपये), जिसमें बैंक एफडी, वित्तीय साधन, घड़ियां और पेंटिंग्स शामिल हैं, का एक-तिहाई हिस्सा उनकी सौतेली बहनों शिरीन जेजीभॉय और डीना जेजीभॉय को मिलेगा। एक-तिहाई हिस्सा मोहिनी एम दत्ता को मिलेगा, जो टाटा ग्रुप की पूर्व कर्मचारी थीं और रतन टाटा के करीबी थीं।

करीबी दोस्त को प्रॉपर्टी और तीन बंदूकें- रतन टाटा के भाई जिमी नवल टाटा (82 वर्ष) को जुहू की बंगले का हिस्सा मिलेगा, जबकि उनके करीबी दोस्त मेहली मिस्त्री को अलीबाग की प्रॉपर्टी और तीन बंदूकें (जिनमें एक .25 बोर की पिस्तौल भी शामिल है) मिलेंगी।

पालतू जानवरों के लिए 12 लाख का फंड- रतन टाटा ने अपने पालतू जानवरों के लिए 12 लाख रुपये का फंड बनाया है, जिसमें से हर जानवर को हर तीन महीने में 30,000 रुपये मिलेंगे। उनके सहायक शंतनु नायकुडू का छात्र ऋण और पड़ोसी जेक मालाइट का ब्याज-मुक्त एजुकेशन लोन को माफ कर दिया गया है। रतन टाटा के विदेशी संपत्तियों (लगभग 40 करोड़ रुपये) में सेशेल्स में जमीन, वेल्स फार्गो और मॉर्गन स्टेनली के बैंक खाते, तथा कंपनियों के शेयर शामिल हैं।

रोहित का सपना विश्व कप जीतना

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा के लिए आगामी टेस्ट दौरा खेलना मुश्किल लग रहा है। माना जा रहा है कि वह इंग्लैंड दौरे पर खुद ही नहीं जाएंगे। इंग्लैंड दौरे पर भारत ने 20 जून से 4 अगस्त तक 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने है। इसी बीच रोहित के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित को पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्हें इंग्लैंड जाकर कप्तानी करनी चाहिए। उन्होंने पिछले दौरे पर वहां शतक बनाया था। वहां की परिस्थितियां उन्हें रास आएंगी। दिनेश लाड ने इसी दौरान रोहित के सफर और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की।

कोच ने कहा कि रोहित 12 साल की उम्र में उनके पास एक गेंदबाज के रूप में आए थे, लेकिन उन्हें बल्लेबाज बनाना और अब भारत को टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जिताते देखना बेहद सुखद अनुभव रहा है। कोच ने रोहित के सबसे बड़े सपने का जिक्र करते हुए कहा कि उनका अंतिम सपना वनडे विश्व कप उठाना है, जो 2023 में हम चूक गए। मेरा मानना है कि उन्हें अगले वनडे विश्व कप तक खेलना चाहिए और इसे जीतकर अपना और देश का सपना पूरा करना चाहिए। रोहित की तकनीक और अनुभव की तारीफ करते हुए कोच ने कहा कि रोहित एक अलग तरह का खिलाड़ी है। वह तकनीकी रूप से मजबूत है और उसके पास अनुभव का खजाना है। पिछली इंग्लैंड यात्रा में उन्होंने शतक जड़ा था। मेरी राय में, उसे इंग्लैंड जाना चाहिए, अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए और टीम का नेतृत्व अच्छे से करना चाहिए। बता दें कि 2024 में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। भारत ने 5 मैचों की सीरीज 4-1 से जीती थी। इंग्लैंड ने सीरीज का सिर्फ पहला मैच जीता था और वह भी 28 रन के मामूली अंतर से। युवा यशस्वी जायसवाल ने उस सीरीज के दौरान 712 रन बनाए थे। रोहित ने भी सीरीज में एक शतक सहित 400 रन बनाए थे। बीते दिनों रिकी पोंटिंग ने भी रोहित के करियर पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब आप अपने करियर के उस मुकाम पर पहुंचने लगते हैं, तो हर कोई आपके रिटायर होने का इंतजार कर रहा होता है। और मुझे नहीं पता कि क्यों, जब आप अभी भी उतना ही अच्छा खेल सकते हैं जितना उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में) खेला है, तो मुझे लगता है कि वह बस उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे। और कह रहे थे कि मैं अभी भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। मुझे लगता है कि उनके दिमाग में अगले (50-ओवर) विश्व कप (2027 में) में खेलने का लक्ष्य होना चाहिए।

मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को क्लीन चिट, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से मिला अनुबंध

मेलबर्न, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 16 विकेट लेने के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की शिकायत झेलने वाले मैट कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को हरी झंडी मिलने के बाद अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरिज चुना गया था। उन्होंने पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए हैं जिसमें दो बार पारी के पांच विकेट शामिल है। उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें क्लीन चिट मिल गई है। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने कहा कि कुहनेमन ने श्रीलंका में शानदार प्रदर्शन किया और आगे भी वह इसे बरकरार रख सकते हैं। भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास को भी अनुबंध दिया गया है। कोंस्टास ने मेलबर्न टेस्ट में 60 रन बनाकर आस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई। उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई।इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली।

हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर, टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है। 32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमान पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

बिना संन्यास लिए सिडनी सिक्सर्स का हिस्सा बने विराट कोहली !

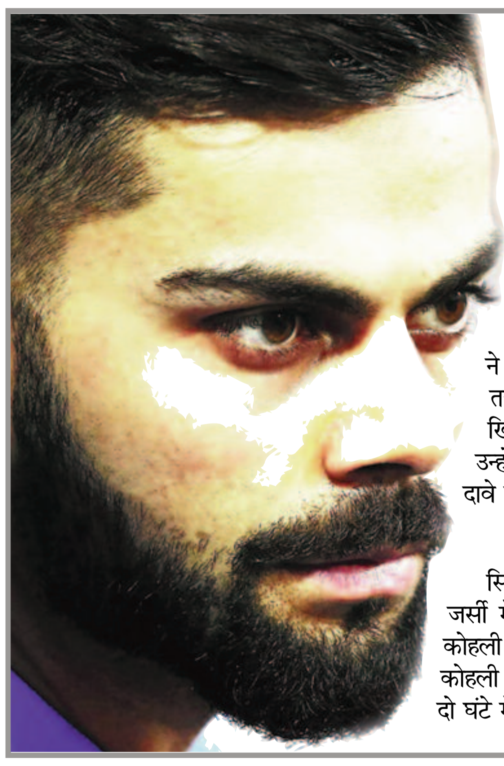

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग की टीम सिडनी सिक्सर्स ने मंगलवार सुबह को एक पोस्ट किया जिससे सोशल मीडिया तहलका मच गया। सिडनी सिक्सर्स ने इंस्टाग्राम पर भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली की तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने जो दावा किया उसने सभी को हैरान कर दिया। बाद में इस दावे का सच भी सामने आया।

सिडनी सिक्सर्स ने शेयर किया पोस्ट

सिडनी सिक्सर्स ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें कोहली भारतीय जर्सी में नजर आ रह हैं। उन्होंने तस्वीर पर लिखा, 'स्वागत विराट कोहली।'उन्होंने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'किंग कोहली, विराट कोहली अगले दो सालों के लिए आधिकारिक तौर पर सिक्सर हैं।' महज दो घंटे में यह पोस्ट वायरल हो गया। जिसपर कई कमेंट आए।

बीसीसीआई का नियम नहीं देता इजाजत

लोग हैरान थे कि ऐसा कैसे संभव है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार कोई भी खिलाड़ी तब तक किसी विदेशी लीग में नहीं खेल सकता जब तक वह संन्यास न ले लें। उन्हें संन्यास लेने के बाद बीसीसीआई से एनओसी लेना होता है। हालांकि विराट कोहली ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उन्होंने टी20 फॉर्मेट से संन्यास तो लिया है लेकिन वह अब भी टेस्ट और वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में नियमों के अनुसार उनका किसी विदेशी लीग में खेलना संभव नहीं है। एक्स पर उनके इस पोस्ट पर यूजर ने लिखा, 'सिडनी सिक्सर्स' कोहली कब जॉइन करने वाले हैं। इसका जवाब देते हुए सिडनी सिक्सर्स ने लिखा, 'एक अप्रैल 2025।' इसके बाद फैंस को पता लग गया कि यह एक अप्रैल फूल प्रैंक है। लोगों ने सिडनी सिक्सर्स की तारीफ की और कहा कि अप्रैल फूल का सही इस्तेमाल किया।

फीडे महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप जू वेनजुन को टक्कर देंगी तान झोंगयी

शंघाई , चीन, एजेंसी। शतरंज की दुनिया में महिलाओं के सबसे प्रतिष्ठित खिताब महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन इस बार चीन के दो प्रमुख शहरों - शंघाई और चोंगकिंग - में किया जाएगा। मौजूदा विश्व चैम्पियन जू वेनजुन और चीन की ही चैलेंजर तान झोंगयी के बीच यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला 1 से 23 अप्रैल 2025 के बीच खेला जाएगा। यह चैंपियनशिप 12 मुकाबलों की एक क्लासिकल सीरीज के रूप में होगी। जो खिलाड़ी पहले 6.5 अंक प्राप्त करेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। यदि स्कोर 6-6 पर बराबर रहता है, तो रैपिड और आवश्यकता पड़ने पर ब्लिट्ज टाईब्रेक के माध्यम से विजेता तय किया जाएगा। जू वेनजुन मौजूदा महिला विश्व शतरंज चैंपियन हैं। उन्होंने 2018 में पहली बार तान झोंगयी को हराकर विश्व खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने 2018 में नॉकआउट टूर्नामेंट, 2020 में गोर्याचकिना, और 2023 में लेई टिंगजी के खिलाफ अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। जू की ताकत केवल क्लासिकल में ही नहीं है - उन्होंने 2017 और 2018 में वुमेन्स वर्ल्ड रैपिड और 2024 में वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप भी जीती है। वे चीन की स्वर्ण पदक विजेता ओलंपियाड टीम (2016, 2018) और विश्व टीम चैंपियनशिप (2009, 2011) का हिस्सा रही हैं। तान झोंगयी ने 2017 में अन्ना मुजिचुक को हराकर विश्व खिताब जीता था और उसके बाद से वह विश्व स्तर पर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि 2018 में वे जू वेनजुन से खिताब हार गईं, लेकिन उन्होंने 2022 में वर्ल्ड रैपिड और 2024 में कैंडिडेट्स कप जैसे प्रतिष्ठित खिताब जीते। 2024 महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनके दमदार प्रदर्शन ने उन्हें इस बार की चैलेंजर बनाया।

नमन का डाइविंग कैच, बोल्ट की यॉर्कर पर नरेन बोल्ड

अश्विनी आईपीएल डेब्यू में चमके, पहली ही गेंद पर विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में पहली जीत दर्ज करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को 8 विकेट से हरा दिया। सोमवार को डेब्यूटेंट अश्विनी कुमार के 4 विकेट की बदौलत केकेआर की पारी 116 रन पर सिमट गई। जवाब में रायन रिकेल्टन की शानदार फिफ्टी से एमआई ने 2 विकेट खोकर 121 रन बनाए और 43 बॉल रहते जीत हासिल कर ली। वानखेड़े स्टेडियम में कई मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। अश्विनी एमआई डेब्यू मैच में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने। ट्रेंट बोल्ट की यॉर्कर पर सुनील नरेन बोल्ड हो गए। वेंकटेश को 2 ओवर में दो जीवनदान मिला। नमन धीर ने हर्षित राणा का डाइविंग कैच पकड़ा। कोलकाता ने पहले ही ओवर में विकेट गंवाया। ट्रेंट बोल्ट ने सुनील नरेन को ओवर की चौथी बॉल पर बोल्ड कर दिया। उन्होंने यॉर्कर बॉल फेंकी लेकिन समय से नरेन का बैट नीचे नहीं आ सका और वे बोल्ड हो गए। डेब्यू मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने अपनी पहली बॉल पर विकेट लिया।

आईपीएल 2025 के बीच नए सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट का ऐलान

3 क्रिकेटरों को किया गया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर क्रिकेटर इन दिनों आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. लेकिन उधर उनके देश की क्रिकेट बोर्ड ने नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है. नए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में 23 खिलाड़ियों को जगह मिली है. खास बात ये है कि इस बार 3 नए खिलाड़ियों को भी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है. वहीं, 3 खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं, जिनमें से दो तो चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली टीम का भी हिस्सा थे, उन्हें नए करार से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है. जिन 3 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पहली बार मिला है, उनमें सैम कॉन्सटस, मैट कुन्हेमन और ब्यू वेब्स्टर का नाम है. वहीं 23 खिलाड़ियों की नई लिस्ट से जो 3 खिलाड़ी बाहर हैं, उनमें टॉड मर्फी, शॉन एबट और आरोन हार्डी का नाम है. इनमें से आरोन हार्डी और शॉन एबट चैंपियंस ट्रॉफी खेलने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे. हालांकि, उन्हें वहां एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था. जबकि टॉड मर्फी की बात करें तो वो श्रीलंका के पिछले दौरे पर खेली टेस्ट सीरीज में तीसरे स्पिनर की हैसियत से ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे. मगर 2025-26 में ऑस्ट्रेलिया को एशिया का दौरा नहीं करना है.सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले 3 नए खिलाड़ियों में सैम कॉन्सटस की बात करें तो वो फिलहाल टेस्ट फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया का हिस्सा हैं. उन्होंने भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मेलबर्न और सिडनी में 2 टेस्ट खेले थे. वहीं मैट कुन्हेमन को श्रीलंका दौरे पर मिली सफलता का फायदा मिला है.इंजरी से जूझते रहने के बावजूद लांस मॉरिस और झाई रिचर्डसन का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट बरकरार रहा है. रिचर्डसन का फिलहाल रिहैब चल रहा है. उनके कंधे की तीसरी सर्जरी हुई है. जेवियर बार्टलेट को चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी. मगर वो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में अपनी जगह बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं.2025-26 सीजन में ऑस्ट्रेलिया 19 बाइलेटरल ड्20 मुकाबले खेलने वाला है. इसके अलावा उसे अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले ड्20 वर्ल्ड कप में शिरकत करना है. ड्20 सीरीज के अलावा 2025-26 सीजन में वो 9 वनडे मुकाबले और 7 टेस्ट मैच खेलेगा. ये मुकाबला ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास अपने कॉन्ट्रैक्ट को अपग्रेड करने का सुनहरा अवसर होगा.स्कॉट बोलैंड, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस, नाथन एलिस , कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड. ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, जोश इंग्लिस, सैम कॉन्सटस, मैट कुन्हेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाई रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेब्स्टर, एडम जैम्पा.

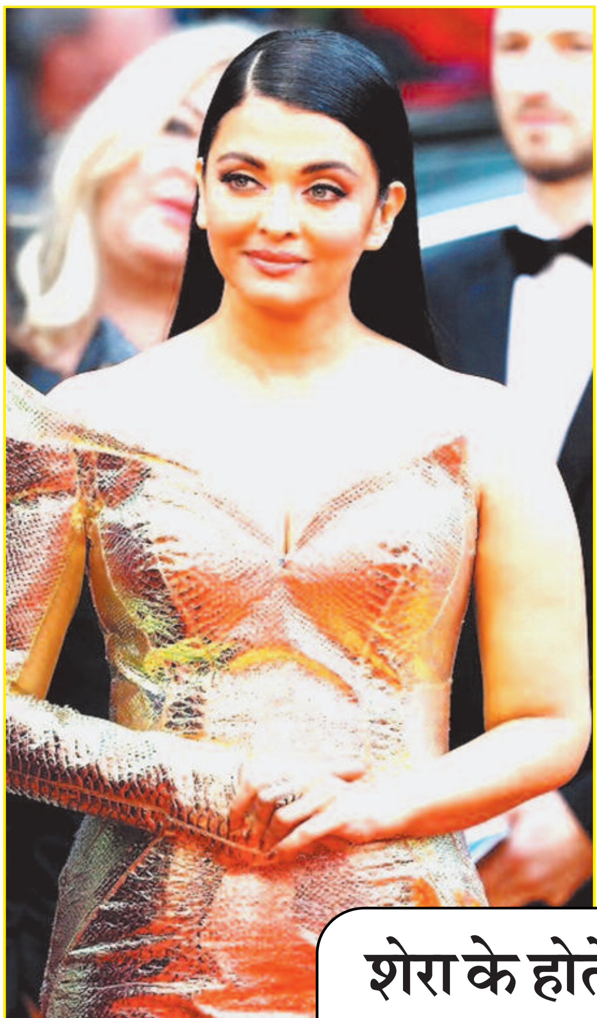

क्या वाकई दिशा वकानी की जगह

काजल पिसल निभाएंगी दया बेन की भूमिका ?

साल 2017 के बाद से दिशा वकानी तारक मेहता का उल्टा चश्मा से दूर हैं। वे मैटरनिटी लीव पर गई थीं और इसके बाद उन्होंने शो में वापसी नहीं की। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि उनकी जगह अब यह भूमिका काजल पिसल निभाएंगी?

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो का हर किरदार बेहद खास है और दर्शकों से सीधे तौर पर जुड़ा है। मगर, जेठालाल और दयाबेन की बात ही अलग है। दयाबेन का किरदार अभिनेत्री दिशा वकानी ने बड़ी ही खूबसूरती से अदा किया। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चल गईं। तब से फैंस शो में उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दिशा वापस नहीं आएंगी। शो के निर्माता असित मोदी भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स को दिशा का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है।

कयासों को बताया फेक न्यूज

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री काजल पिसल अब तारक मेहता शो में दयाबेन की भूमिका करती दिखेंगी। इस तरह के कयासों पर खुद काजल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे दावों को फेक न्यूज बताया है। काजल ने स्पष्ट किया है कि वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की भूमिका नहीं अदा कर रही हैं। हालांकि, काजल ने यह भी कहा कि उन्होंने शो के लिए ऑडिशन दिया था।

मैं झनक में काम कर रही हूं

दावे किए जा रहे हैं कि काजल पिसल ने अब दिशा वकानी को रिप्लेस कर दिया है। उनकी तस्वीर भी वायरल हो रही है। इस बारे में जूम से बातचीत में काजल पिसल ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठ हैं। साथ ही बताया कि तस्वीर पुरानी है। काजल ने कहा कि उनके पास इस खबर को लेकर कई कॉल और मैसेज आ रहे हैं, लेकिन इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। काजल ने कहा, मैं पहले से ही झनक में काम कर रही हूं। ऐसे में यह खबर झूठ है। हां, मैंने दया बेन के लिए साल 2022 में ऑडिशन दिया था और वो फोटो अब वायरल हो रही है।

शेरा के होते हुए

रशिमका मंदाना के बॉडीगार्ड बने सलमान खान, जमाने के सामने किया...

सलमान खान की फिल्म सिकंदर ईद से ठीक पहले बॉक्स ऑफिस पर दस्तक दे चुकी है. सिनेमाघरों में फिल्म सिकंदर को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है. लोग लगातार फिल्म सिकंदर को देखने के लिए सिनेमाघरों के बाहर लाइन लगा रहे हैं. फिल्म सिकंदर में सलमान खान का जाबड़तोड़ एक्शन लोगों को खूब पसंद आ रहा है. इसी बीच फिल्म सिकंदर स्टार की एक वीडियो ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचना शुरू कर दिया है. इस वीडियो में सलमान खान फिल्म सिकंदर में अपनी कोस्टार रशिमका मंदाना के साथ नजर आ रहे हैं. वीडियो में सलमान खान ने रशिमका मंदाना के साथ कुछ ऐसा किया है जिसे देखकर हर कोई चौंक गया है. वायरल हो रहे वीडियो में सलमान खान रशिमका मंदाना के साथ एक इवेंट से जाते नजर आ रहे हैं. जैसे ही रशिमका मंदाना अपनी कार तक पहुंचीं. वैसे ही सलमान खान ने बिना देर किए रशिमका मंदाना के लिए कार का दरवाजा खोल दिया. इतना ही नहीं जाने से पहले सलमान खान ने रशिमका मंदाना को अपने गले भी लगा लिया. सलमान खान का ये अंदाज देखकर रशिमका मंदाना मुस्कुराती नजर आईं. फैंस को भी सलमान खान का ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है.

संगर नेहा कक्कड के झूठ का पर्दाफाश !

बॉलीवुड की फेमस सिंगर नेहा कक्कड़ अपने ऑस्ट्रेलिया टूर के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. बता दें कि नेहा कक्कड़ का ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में कॉन्सर्ट था, जिसमें वह 3 घंटे देरी से पहुंची थी. हालांकि जैसे ही नेहा कक्कड़ स्टेज पर आईं तो वहां मौजूद जनता का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने सिंगर को वापस जाने के लिए कहा. इसके बाद नेहा कक्कड़ स्टेज पर ही फूट-फूटकर रोने लगी थीं और उन्होंने केवल 1 घंटे ही परफॉर्मेंस दी. इस घटना के बाद सिंगर को काफी बुरा-भला कहा जा रहा था, जिसके बाद नेहा कक्कड़ ने शो में देर से पहुंचने का ठीकरा ऑर्गेनाइजरों पर फोड़ दिया और कहा कि ऑर्गेनाइजर्स ने अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया था, जिसकी वजह से वह लेट हुईं और कॉन्सर्ट में देरी से पहुंची. इसके साथ ही नेहा कक्कड़ ने ये भी कहा था कि उन्होंने मेलर्बन का वह कॉन्सर्ट फ्री में किया है. अब नेहा के इन दावों के बाद कॉन्सर्ट के ऑर्गेनाइजरों का बयान आया हौ उन्होंने सिंगर के झूठ का पर्दाफाश किया है.

ऑर्गेनाइजरों ने नेहा कक्कड़ के झूठ का किया पर्दाफाश

दरअसल नेहा कक्कड़ के मेलबर्न कॉन्सर्ट को ऑर्गेनाइज करने वाले प्रोडक्शन हाउस ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने सिंगर के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है और कहा है कि नेहा की वजह से वह कर्जे में डूब गए हैं. इसके साथ ही उन्होंने नेहा के अव्यवस्था वाले दावों की पोल खोलते हुए कुछ वीडियोज और होटल बिल्स भी शेयर किए हैं. प्रोडक्शन हाउस ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कई सारी गाड़ियां नेहा कक्कड़ को एयरपोर्ट से रिसीव करती नजर आ रही हैं. बता दें कि सिंगर ने दावा किया था कि ऑर्गेनाइजर्स पैसा लेकर भाग गए और उन्हें किसी ने भी एयरपोर्ट पर रिसीव नहीं किया.

जब अपने ही फैन का धमकी भरा मेल देखकर घबराईं ऐश्वर्या राय

सलमान खान और ऐश्वर्या राय को लेकर सालों पहले खूब हंगामा मच चुका है. जब लोगों को लगने लगा था कि सलमान खान और ऐश्वर्या राय जल्द शादी कर लेंगे ठीक उसी समय उनके बीच झगड़ें की खबरें सामने आने लगीं. एक समय ऐसा भी आया जब सलमान खान पर ऐश्वर्या राय के साथ मारपीट करने का आरोप लगा. इतना ही नहीं लोगों ने तो सलमान खान के परिवार को भी इस झगड़े में घसीटना शुरू कर दिया था. हद तो तब हो गी जब इस ड्रामे के बीच ऐश्वर्या राय के एक फैन ने सलमान खान को धमकी दे डाली. सलमान खान पर नशे की हालत में पारपीट करने के आरोप लगने के बाद ऐश्वर्या राय ने एक इंटरव्यू दिया था. इस इंटरव्यू में ऐश्वर्या राय ने सलमान खान को लेकर कई खुलासे किए थे. ऐश्वर्या राय ने कहा, लोग सलमान खान और मेरे परिवार के लोगों को भी इस सब में घसीट रहे हैं. इस घटना को सांप्रदायिक घटना का रूप दे दिया गया है जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है. ऐश्वर्या राय ने आगे कहा, ये पढ़कर मुझे बहुत बुरा लगा. मीडिया ने मुझे एक बुरी बेटी साबित कर दिया. सलमान खान की इमेज खराब हुई. ऐश्वर्या राय ने आगे कहा, इस घटना के लिए कहीं न कहीं मैं जिम्मेदार थी लेकिन मीडिया ने दोनों के परिवार को बीच में लाकर सारा मामला खराब कर दिया.

अनीता हसनंदानी क्यों नहीं घटा पाती हैं वजन

'काव्यांजलि', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'नागिन 3' जैसे शो में शानदार काम कर लोकप्रिय हुईं अनीता हसनंदानी ने इस बारे में मजेदार खुलासा किया कि वह क्यों 'कुछ किलो' वजन नहीं घटा पाती हैं। अनीता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपने बेटे आरव रेड्डी के साथ मस्ती से टहलती नजर आ रही हैं। वीडियो पर एक ओवरले टेक्स्ट लिखा था, मैं कुछ किलो वजन घटाना चाहती हूं। लेकिन मैं कभी नहीं घटा पाती हूं। मैं विजेता हूं। नताशा ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 1998 में टेलीविजन शो इधर उधर से की थी और अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगू फिल्म नुव्वु नेनु से की थी। 2001 से 2002 तक, उन्होंने कभी सौतन कभी सहेली में तनुश्री की भूमिका निभाई। 2005 में काव्यांजलि के साथ उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। 2007 में उन्होंने पहली बार कयामत में स्वाति भाटिया की भूमिका निभाई। इसके बाद वह हिंदी फिल्म दस कहानियां और जस्ट मैरिड में दिखाई दीं। 2007 से 2008 तक उन्होंने नमन शॉ के साथ क्योंकि सास भी कभी बहू थी में सांची विरानी की भूमिका निभाई। इसके बाद अभिनेत्री कसम से, क्या दिल में है और किस देश में है मेरा दिल जैसी फिल्मों में देखी गईं।

उन्होंने अपनी गर्भावस्था के कारण ब्रेक लिया और तुषार कपूर के साथ हिंदी फिल्म मारीच से वापसी की। उन्होंने ये है मोहब्बतें, मधुबाला - एक इश्क एक जुनून, ये है आशिकी में काम करके खुद को हिंदी टेलीविजन की अग्रणी अभिनेत्रियों में स्थापित किया। 2018 से 2019 तक, अभिनेत्री नागिन 3 में नागिन विशाखा की भूमिका निभाई। 2020 में वह नागिन 4 में विशाखा के रूप में अपनी भूमिका को दोहराई। इसके साथ ही वह हम रहे ना रहे हम के साथ टेलीविजन पर लौटीं, जहां वह जय भानुशाली के साथ नजर आईं।

अल्लू 'पुष्पा 2' की सफलता के बाद बदलेंगे अपना नाम !

तेलुगु सुपरस्टार अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 2' की बड़ी सफलता के बाद अपनी सक्सेस का लुत्फ उठा रहे हैं. इस फिल्म ने साल 2024 की आखिरी महीने में रिलीज होकर कई बड़ी फिल्मों के रिकार्ड्स को चकनाचूर किया था. सुकुमार के डायरेक्शन और अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों से खूब प्यार बटोरा था. अब भी फिल्म को उसके जबरदस्त डायलॉग, एक्शन सीक्वेंस, गाने के लिए याद किया जाता है. थिएटर्स के बाद फिल्म को डिजिटल डेब्यू पर भी बहुत सरहाया गया. इस बीच अब खबर आ रही है कि फिल्म की बाद पुष्पा भाउ यानी अल्लू अर्जुन अपना नाम बदलने की सोच रहे हैं. हालांकि, इसपर एक्टर की ओर से कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है.

क्या अपना नाम बदलेंगे अल्लू अर्जुन?

कोइमोई और सिने जोश की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिषी की सिफारिश के आधार पर अपने नाम में जोड़ सकते हैं, जिससे उनके उनका करियर और भविष्य दोनों सफल और अच्छा रहे. रिपोर्ट्स में बताया गया है कि एक्टर अपने नाम में दो ' ' और दो 'ह' जोड़ने सकते हैं. हालांकि, इसपर अल्लू अर्जुन ने कोई पुष्टि नहीं की है. मालूम हो कि अल्लू अर्जुन से पहले भी कई एक्टर्स ने अपने नाम के अक्षर में बदलाव किया है.

मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती: जेनेलिया देशमुख

सफलता और असफलता के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं सफलता या असफलता को ज्यादा महत्व नहीं देती। यह हमारे जीवन का हिस्सा है। मुझे लगता है कि हम अपनी सफलता को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताते हैं और असफलता पर बहुत जोर देते हैं। जबकि आपके दैनिक जीवन का प्रभाव और इरादा महत्वपूर्ण है।

एक ऐसी अभिनेत्री होने के नाते, जिसने छह भाषाओं में काम किया है, एक ऐसी अभिनेत्री जिसने बच्चों के जन्म के कारण ब्रेक लिया, मुझे याद है कि लोग मुझसे कहते थे, ओह, तुम 10 साल बाद फिल्मों में वापस आना चाहती हो, यह काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी वापसी वाली फिल्म एक कल्ट बन गई। हमें लोगों की बात नहीं सुननी चाहिए। जेनेलिया ने मातृत्व और स्टारडम के बीच के अंतरसंबंध के बारे में भी खुलकर बात की, इस बात पर जोर देते हुए कि कैसे उन्होंने अपने एक दशक के ब्रेक के दौरान अपने बच्चों को प्राथमिकता दी। उन दस सालों के दौरान, मैं खुद पर, अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और मुझे याद है कि रितेश ने मुझसे कहा था कि हमें अपने बच्चों को सक्षम बनाना होगा।

मैं एक मांसाहारी हूँ और मुझे आसानी से प्रोटीन लेने की आदत है, इसलिए मुझे इससे जूझना पड़ा। यहीं से इमेजिन का जन्म हुआ। यह हर उस फ्लेक्सिटेरियन के लिए है, जो हफ़्ते में पाँच दिन मांस खाता है, लेकिन हफ़्ते में दो बार अन्य विकल्प चुनता है। यहाँ तक कि जब शाकाहारी खाने की बात आती है, तो प्रोटीन सेवन की बात आती है तो हमारे पास चुनने के लिए बहुत कम विकल्प होते हैं। इसने मुझे और रितेश को एक स्थाई विकल्प बनाने के लिए प्रेरित किया।

पैनल में मसाबा गुप्ता, मेघना घई पुरी, अनन्या बिड़ला, अश्विनी अय्यर तिवारी और अन्य जैसे उल्लेखनीय नाम शामिल थे, जिन्होंने महत्वाकांक्षा और कल्याण के बीच नाजुक संतुलन का पता लगाया।

जाट में सनी देओल संग नजर आएंगी उर्वशी रोतेला

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला 12 साल बाद अभिनेता सनी देओल संग काम कर रही हैं। रौतेला जल्द ही 'जाट' के गाने 'टच किया' में नजर आएंगी। अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। उर्वशी ने कहा, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं और मैं 'जाट' में उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं। उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं। उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी। 1 अप्रैल को दर्शकों के सामने कुछ खास आने वाला है ! उनके साथ 12 साल बाद पर्दे पर वापसी को लेकर मैं उत्साहित हूं। मैत्री मूवी मेकर्स ने रविवार को गाने का स्टिल पोस्टर जारी किया, जिसमें उर्वशी की एक झलक भर दिखी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, बड़े पैमाने पर जाट के ट्रेलर को लॉन्च करने के बाद अब फिल्म से एक धमाकेदार गाने का समय आ गया है। 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' 1 अप्रैल को जारी होगा। उर्वशी रौतेला की फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' सिंह साहब (सनी देओल) की कहानी है, जो जिम्मेदार के साथ ही ईमानदार इंसान है और रिश्तों को निभाने में विश्वास रखता है, लेकिन भूदेव (फिल्म में खलनायक) एक चालाक आदमी है और वह उसके खिलाफ साजिश रचता है।

साभार एजेंसी